मंगलवार, 7 अप्रैल 2026

मौसम

तापमान	24 – 32
आर्द्रता	87%
सूर्योदय: 05:24	सूर्यास्त: 17:53

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, वैशाख कृष्णपक्ष पंचमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : जो जानवरों के प्रति क्रूर होता है, वह मनुष्यों के प्रति भी कठोरता से पेश आता है।

वैश्विक अनिश्चितता के बीच 2026-27 में सोने, चांदी में रहेगी तेजी, बड़े उछाल की संभावना कम पृष्ठ 8

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

‘प्रशासनिक गरिमा को ताक पर रख दिया’

मालदा केस में सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को लगाई फटकार

- कहा- एनआईए को सौंपें एफआईआर व गिरफ्तार आरोपी
- एनआईए ने सुप्रीम कोर्ट में पेश की जांच रिपोर्ट

नयी दिल्ली /कोलकाता : सुप्रीम कोर्ट को पश्चिम बंगाल में न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाए जाने के मामले में एनआईए ने अपनी प्राथमिक रिपोर्ट कोर्ट को सौंप दी है। न्यायिक अधिकारियों के घेराव को लेकर कुल 15 एफआईआर दर्ज की गई हैं। एनआईए की ओर से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में कितने लोगों के खिलाफ यह एफआईआर दर्ज की गई है। रिपोर्ट सुबह पेश किये जाने तक कुल 24 लोगों को गिरफ्तार किया गया था हालाँकि रात तक मिली जानकारी के अनुसार 43 लोगो को गिरफ्तार किया गया है । सीजेआई ने आदेश में दर्ज किया कि हमें सूचित किया गया है कि चुनाव आयोग ने जांच का जिम्मा राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी (एनआईए) को सौंपा है। एक प्रारंभिक स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। राज्य के सदस्यों के खिलाफ गंभीर आरोप हैं। अनुच्छेद 142 के अंतर्गत प्राप्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए हम निर्देश देते हैं कि इन अपराधों की जांच स्थानीय पुलिस से राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी जाए और स्थानीय पुलिस को निर्देश दिया जाता है कि वह जांच संबंधी कागजात और केस डायरी एनआईए को सौंप दे। साथ ही एनआईए को चल रही जांच के लिए आवश्यक सभी प्रकार की रसद संबंधी सहायता प्रदान करने का भी निर्देश दिया जाता है। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगो को एनआईए के सुपुर्द कर दिया जाये। और यदि जांच के दौरान यदि यह पाया जाता है कि और भी अपराध किए गए हैं, अपराध के अन्य आयाम हैं या अपराध में और भी व्यक्तियों की संलिप्तता है, तो राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी (एनआईए) अतिरिक्त एफआईआर दर्ज करने के लिए बाध्य होगी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का फोन नहीं उठाया, जो कि बेहद गंभीर लापरवाही है। कोर्ट ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि वे इस मामले में मुख्य न्यायाधीश से माफी मांगें। सीजेआई ने डीजीपी को भी कड़ी फटकार लगाइ। दोनों वर्चुअली अदालत में मौजूद थे इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य की नौकरशाही पर भी तीखी टिप्पणी की। चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची व जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि पश्चिम बंगाल प्रशासन की विश्वसनीयता कमजोर हो रही है और राजनीति सचिवालय और सरकारी दफ्तरों में घुस रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मालदा घटना पूर्व नियोजित और प्रेरित थी, जिसमें न्यायिक अधिकारियों को घंटों घेरा गया।

मोथाबाड़ी घटना पर अतिरिक्त जिलाधिकारी को कारण बताओ नोटिस

एनआईए ने विभिन्न क्षेत्रों का किया दौरा, की पूछताछ

मालदह/कोलकाता : मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के विवाद के बाद मोथाबाड़ी में न्यायाधीशों को घेरकर कथित रूप से परेशान किए जाने तथा एक अप्रैल को पूरे मालदह जिले में हुई अव्यवस्था के मामले में जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। जिला प्रशासन के सूत्रों के अनुसार, मालदह के जिलाधिकारी राजनवीर सिंह कपूर ने अतिरिक्त जिलाधिकारी (जिला परिषद) शेख अंसार अहमद को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस बीच, मोथाबाड़ी घटना में रविवार रात को पुलिस ने छह और लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी को मोथाबाड़ी थाने की पुलिस ने पकड़ा है। इसके साथ ही इस मामले में कुल गिरफ्तार लोगों की संख्या बढ़कर 43 हो गई है। सोमवार को जांच के चौथे दिन केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारी कालियाचक से लेकर इंग्लिश बाजार के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचे और कई लोगों से पूछताछ की। अधिकारियों ने मोथाबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कालियाचक-2 ब्लॉक कार्यालय के कुछ कर्मचारियों से भी बातचीत की। सूत्रों के अनुसार, अब तक लगभग 150 लोगों से पूछताछ की जा चुकी है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के साथ है भाजपा का ‘गुप्त समझौता’ : ममता

कहा ... ‘चुनाव के बाद वह भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकता के लिए देशभर का करेंगी दौरा’

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को भाजपा पर कांग्रेस और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के साथ 'गुप्त समझौता' करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि राज्य के कई आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को चुनाव पर्यवेक्षकों के रूप में तमिलनाडु भेजा गया है, जिससे प्रदेश में विकास कार्यों में बाधा हो रही है। उन्होंने दावा किया कि वैसे तो पांच राज्यों में एक साथ चुनाव हो रहे हैं, लेकिन निर्वाचन आयोग ने राज्य में करीब 500 अधिकारियों का तबादला कर दिया है, जबकि चुनाव वाले अन्य राज्यों में मुट्ठी भर अधिकारियों का ही तबादला किया गया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद वह भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकता बनाने के लिए देशभर का दौरा करेंगी। इस दिन, नदिया जिले में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद निर्वाचन आयोग ने राज्य कैडर के कई अधिकारियों को तमिलनाडु में पर्यवेक्षक के रूप में भेजा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आपकी (भाजपा की) कांग्रेस और स्टालिन के साथ गुप्त रूप से मिलीभगत होगी। उन्होंने दावा किया कि वे (भाजपा के नेता) राज्य में अपने अधिकारियों को प्रमुख पदों पर नियुक्त कर रहे हैं ताकि उनकी आवाजाही सुचारू हो सके। ममता ने कहा कि विधानसभा चुनाव जीतने के बाद तृणमूल दिल्ली में भाजपा को निशाना बनाएगी और जरूरत पड़ने पर वह इसके लिए सभी दलों को साथ लेगी। उन्होंने कहा कि विपक्षी एकता को मजबूत करने के लिए मैं देशभर का दौरा करूंगी। तृणमूल प्रमुख ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव से तीन महीने पहले उस मतदाता सूची को रद्द कर दिया गया था जिसके आधार पर भाजपा 2024 में सत्ता में आई थी। ममता ने कहा कि आपको (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) इस्तीफा देना चाहिए, गृह मंत्री को, पूरी सरकार को इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि ध्यान रखिए कि अगर आप ऐसा नहीं करेंगे, तो लोग आपको ऐसा करने पर मजबूर कर देंगे। ममता ने आरोप लगाया कि अगर बंगाल में भाजपा सत्ता में आती है, तो वह मछली, मांस और अंडे के सेवन पर प्रतिबंध लगा देगी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण बंगाल में 250 लोगों की मौत हुई। इसकी जिम्मेदारी आपको (भाजपा) लेनी होगी। मैं निर्वाचन आयोग को दोष नहीं देती, वह सीबीआई और ईडी की तरह सिर्फ तोता है।

ममता ने कोलकाता पर हमले की पाकिस्तान की ‘धमकी’ पर चुप्पी को लेकर पीएम से मांगा इस्तीफा

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को सवाल किया कि पाकिस्तान द्वारा कोलकाता पर हमले की धमकी दिए जाने का मुद्दा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक दिन पहले इस राज्य में अपनी चुनावी रैलियों के दौरान क्यों नहीं उठाया। मुख्यमंत्री ने नदिया जिले में एक चुनावी रैली में कहा कि आप (प्रधानमंत्री) चुनावी रैलियों में बंगाल को निशाना बनाते हैं, लेकिन जब पाकिस्तान बंगाल पर हमले की बात करता है, तो आप एक शब्द भी नहीं कहते। आपको इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कूचबिहार में मोदी द्वारा एक चुनावी रैली को संबोधित किए जाने के एक दिन बाद कहा कि प्रधानमंत्री ने बंगाल में अपनी रैली के दौरान इस मुद्दे को क्यों नहीं उठाया? जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री कहते हैं कि वे कोलकाता पर हमला करेंगे, तो प्रधानमंत्री ने यह क्यों नहीं कहा कि 'हम कड़ी कार्रवाई करेंगे'? मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसे हम देश पर किसी भी खतरे को स्वीकार नहीं करते, वैसे ही हम कोलकाता को दी गई धमकी को भी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव खारिज, 193 सांसदों ने किए थे हस्ताक्षर

नयी दिल्ली : मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लोकसभा और राज्यसभा के 193 सांसदों द्वारा लगाया महाभियोग का प्रस्ताव खारिज हो गया है। विपक्षी दलों की ओर से यह प्रस्ताव मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए लाया गया था। महाभियोग प्रस्ताव के इस प्रस्ताव पर 193 सांसदों (लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63) ने हस्ताक्षर किए थे। उसका नोटिस 12 मार्च 2026 को राज्यसभा सभापति को सौंपा गया था। जिसके आज लोकसभा सचिवालय और राज्यसभा चेयरमैन की ओर से खारिज कर दिया गया। यह पहली बार था, जब किसी मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया गया था।

दो नए गैस टैंकर होर्मुज से भारत की तरफ बढ़े, अब भी 16 जहाज फंसे

नयी दिल्ली : पश्चिम एशिया संकट के बीच भारतीय ध्वज वाले दो एलपीजी टैंकर सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर भारतीय बंदरगाहों की तरफ बढ़ रहे हैं, जबकि 16 अन्य मालवाहक जहाज अब भी फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने संवाददाताओं से कहा कि 46,650 टन एलपीजी से लदा टैंकर 'ग्रीन सानवी' सात अप्रैल को भारत पहुंचेगा जबकि 15,500 टन गैस लेकर 'ग्रीन आशा' टैंकर नौ अप्रैल को भारतीय तट पर पहुंचेगा। उन्होंने कहा, ''पश्चिम एशिया संकट के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारतीय समुद्री परिचालन सुरक्षित और निर्बाध बना हुआ है। दो एलपीजी टैंकर इस जलडमरूमध्य से आगे बढ़ गए हैं जबकि 433 नाविकों के साथ भारतीय ध्वज वाले 16 जहाज अभी उसी इलाके में हैं।'' अब तक भारतीय ध्वज वाले कुल आठ एलपीजी टैंकर इस रणनीतिक जलमार्ग को सुरक्षित पार कर चुके हैं। ईरान पर 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के साझा हमले शुरू होने के बाद से ही यह जलमार्ग लगभग बंद हो चुका है। यह जलडमरूमध्य खाड़ी देशों से तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है।

ईरान में हवाई हमलों में 25 से अधिक लोगों की मौत

नया युद्धविराम प्रस्ताव साझा किया गया

दुबई : इजराइल और अमेरिका ने सोमवार को ईरान पर बड़े पैमाने पर हमले किए, जिनमें 25 से अधिक लोगों की मौत हो गई। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल और पड़ोसी खाड़ी देशों पर मिसाइलें दागीं। होर्मुज जलडमरुमध्य खोलने के लिए ईरान को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दी गई समयसीमा नजदीक आने के बीच मध्यस्थों ने युद्धविराम का नया प्रस्ताव पेश किया है। सोमवार सुबह हुए हवाई हमलों में तेहरान में स्थित शरीफ प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को निशाना बनाया गया। ईरानी मीडिया के अनुसार, इस हमले में विश्वविद्यालय की इमारतों के साथ-साथ परिसर के पास स्थित प्राकृतिक गैस वितरण केंद्र को भी नुकसान पहुंचा। हालांकि, विश्वविद्यालय परिसर में वास्तव में किस हिस्से को निशाना बनाया गया, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका। युद्ध के कारण देशभर के सभी शिक्षण संस्थानों में ऑनलाइन माध्यम से कक्षाएं ली जा रही हैं, जिसकी वजह विश्वविद्यालय का परिसर खाली पड़ा है। गौरतलब है कि इस विश्वविद्यालय पर पहले भी कई देशों ने सैन्य गतिविधियों, खासकर ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम से जुड़े कार्यक्रम के कारण प्रतिबंध लगाए हैं। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, तेहरान पर हुए एक हमले में अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के खुफिया प्रमुख मेजर जनरल माजिद खादेमी की भी मौत हो गई। वहीं, ईरानी मिसाइलों ने उत्तरी इजराइल के शहर हाइफा को निशाना बनाया, जहां एक रिहायशी इमारत के मलबे से चार लोगों के शव बरामद किए गए। अधिकारियों के मुताबिक, तेहरान के दक्षिण-पश्चिम में इस्लामशहर के पास हुए हमले में कम से कम 15 लोगों की मौत हुई।

तमिलनाडु की एक अदालत ने हिरासत में पिता-पुत्र की मौत को लेकर नौ पुलिसकर्मियों को मृत्युदंड सुनाया

मदुरै (तमिलनाडु) : मदुरै की एक अदालत ने तूतीकोरिन के सथानकुलम में हिरासत में क्रूर यातना देकर एक पिता-पुत्र की हत्या कर देने के जुर्म में सोमवार को नौ पुलिसकर्मियों को मौत की सजा सुनाई। प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जी. मुथुकुमारन ने इसे दुर्लभतम मामला बताते हुए कहा कि जनता की रक्षा का जिम्मा संभालने वालों ने ऐसा अपराध किया है जिसने समाज की सामूहिक अंतरात्मा को झकझोर दिया है। अदालत ने पी जयराज और उनके बेटे जे बेनिक्स की हत्या के लिए दोषी ठहराए गए सभी नौ पुलिस अधिकारियों को मौत की सजा सुनाई। मृत्युदंड के अलावा, अदालत ने मुजरिमों पर 1.40 करोड़ रुपये का संयुक्त जुर्माना भी लगाया, जिसे पीड़ितों के परिवार को मुआवजे के रूप में भुगतान किया जाएगा।

समान नागरिक संहिता, ‘एक राष्ट्र-एक चुनाव’ पर सकारात्मक विचार-विमर्श जारी: मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को समान नागरिक संहिता और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो प्रमुख एजेंडा बताते हुए कहा कि इन पर गंभीर विचार-विमर्श हो रहा है तथा सकारात्मक दिशा में प्रगति हुई है। भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर एक कार्यक्रम को डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए, मोदी ने कहा कि वह भाजपा थी जिसने 1994 में पहली बार महिला आरक्षण का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा कि मौजूदा भाजपा नीत केंद्र सरकार महिला आरक्षण अधिनियम को 2029 के आम

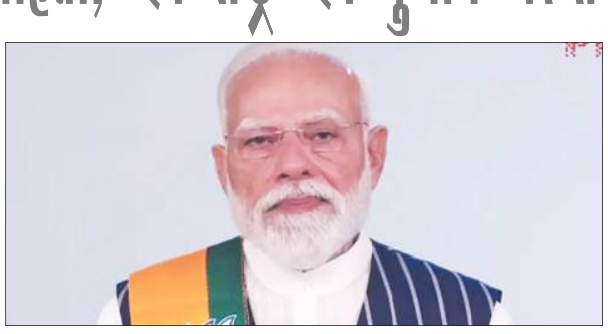

चुनाव में लागू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण होगा। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने आपातकाल जैसी कई कठिनाइयों को सहा और कांग्रेस के शासन में उत्पीड़न का सामना किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कई कार्यकर्ताओं ने तो अपनी जान भी कुर्बान कर दी, जैसा कि पश्चिम बंगाल और केरल जैसे राज्यों में देखा गया, ''जहां हिंसा को एक राजनीतिक संस्कृति बना दिया गया है''। मोदी ने कहा, ''हमारा मिशन अभी जारी है। समान नागरिक संहिता, 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' और अन्य मुद्दों पर देश में गंभीर चर्चाएं जारी हैं और इन पर काफी प्रगति हुई है।'' उन्होंने कहा कि भाजपा देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाना चाहती है और इस दिशा में बढ़ती रहेगी। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' प्रणाली में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ कराने का प्रस्ताव है। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का उद्देश्य पूरे देश में विवाह, गोद लेने आदि के संबंध में सभी के लिए एक समान कानून बनाना है। मोदी ने कहा कि भाजपा हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, ''ब्रिटिश काल के सैकड़ों काले कानूनों को खत्म करना, लोकतंत्र के लिए एक नए संसद भवन का निर्माण, सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण, तीन तलाक पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून, नागरिकता संशोधन अधिनियम, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण... ऐसे अनगिनत काम हैं जो भाजपा के ईमानदार प्रयासों का परिणाम हैं।''

हरियाणा-हिमाचल के फार्मा उद्योग पर मार

खाड़ी में अमेरिका-इस्राइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष का प्रभाव केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही नहीं, कृषि से लेकर दवा उद्योग पर भी असर दिखाने लगा है। इस संघर्ष ने अब हिमाचल और हरियाणा के दवा उद्योग को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। सर्वविदित है, ये क्षेत्र देश के दवा उत्पादन में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाते हैं, खासकर लघु एवं मध्यम उद्यमों के माध्यम से। लेकिन पश्चिमी एशिया में जारी अशांति के चलते, प्रमुख कच्चे माल की आपूर्ति में अचानक गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। दरअसल, इस संकट के मूल में जरूरी फार्मास्यूटिकल अवयवों यानी एपीआई, सॉल्वैंट्स और पेट्रोकेमिकल डेरिवेटिव्स की कीमतों में भारी वृद्धि होना है। दरअसल, इनमें से कई कच्चे मालों की आपूर्ति पश्चिमी एशिया से होती है या इन देशों से लगते समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुंचती है। एक तो इस इलाके में संघर्ष के चलते शिपिंग मार्गों पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं ऊर्जा साधनों की कीमतों में अस्थिरता के चलते, कुछ क्षेत्रों में कच्चे माल की कीमतों में तीस प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। खासकर पैकेजिंग सामग्री, जो अधिकांशतः पेट्रोलियम पदार्थों पर आधारित होती है, वह भी खासी महंगी हो गई है। जिसके चलते प्रतिस्पर्धा के कारण पहले कम लाभ के मार्जिन पर काम कर रहे दवा उद्योग पर अतिरेक दबाव पड़ गया है। लेकिन इस संकट का दूसरा पहलू यह है कि इस व्यवधान का असर उद्योग पर वित्तीय कारणों से ही नहीं है, बल्कि श्रमिकों से जुड़े कारणों से भी है।

दरअसल, इस संकट के बीच प्रवासी श्रमिक भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ईंधन संकट और छोटे एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यक आपूर्ति में बाधा का असर श्रमिकों के दैनिक जीवन और कार्य स्थिरता को लेकर पड़ना शुरू हो गया है। ऐसे में प्रवासी श्रमिकों पर अत्यधिक निर्भर फार्मा इकाइयों के लिये यह व्यवधान उत्पादकता में गतिरोध पैदा कर सकता है। वास्तव में देखा जाए तो उद्योग की मजबूती केवल आपूर्ति शृंखला से ही नहीं जुड़ी है बल्कि उनके श्रमिकों के हितों और उनके आत्मविश्वास से भी जुड़ी है। हिमाचल प्रदेश के बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र और हरियाणा के फार्मा क्लस्टर्स पर इसकी दोहरी मार पड़ रही है। जहां एक ओर उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है, वहीं दूसरी ओर छोटे निर्माताओं को उत्पादन में कटौती करने अथवा नुकसान उठाने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर बढ़ती लागत व वैश्विक परिवहन लागत में वृद्धि के कारण निर्यात प्रतिस्पर्धा में ये उद्योग पिछड़ रहा है। बहरहाल, इस संकट ने आयातित कच्चे माल और वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर भारत की निर्भरता की कमजोरी को भी उजागर कर दिया है। हालांकि, केंद्र सरकार की पहल से आयातित कच्चे सामान पर शुल्क में छूट से भले ही कुछ राहत मिली हो, लेकिन कच्चे माल के वैकल्पिक स्रोत तलाशने, घरेलू एपीआई उत्पादन क्षमता बढ़ाने और प्रवासी श्रमिकों के लिये सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर व्यापक सुधार करने की आवश्यकता है। सही मायनों में एक दूर का युद्ध भारत की दवा आपूर्ति और उसके उत्पादकों के धैर्य की परीक्षा ले रहा है।

विज्ञान आधारित स्वास्थ्य क्रांति की ओर बढ़ती दुनिया

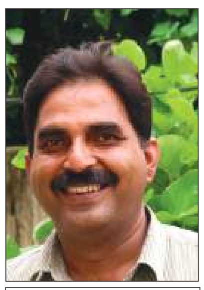

योगेश कुमार गोयल

विश्व स्वास्थ्य दिवस (7 अप्रैल) पर विशेष

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्य: हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

वैज्ञानिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक और विज्ञान तभी वास्तविक रूप से सफल माने जाएंगे, जब वे एक गरीब की झोपड़ी तक सुलभ और वहनीय हों। जल जनित रोग, टाइफाइड और कुपोषण जैसी बीमारियां अभी भी हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं, जो सीधे तौर पर स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की कमी को दर्शाती हैं। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सार्वभौमिक बनाने के लिए विज्ञान के साथ अडिग खड़ा होना और साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा से अपनाना ही वह एकमात्र मार्ग है, जो हमें एक स्वस्थ भारत और समृद्ध विश्व की ओर ले जाएगा। आज आवश्यकता केवल उपचार की नहीं बल्कि वैज्ञानिक सोच को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने की है।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक: भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

बीजेपी के स्थापना दिवस पर दिल्ली से लखनऊ तक भगवामय

संजय सक्सेना

बीजेपी के स्थापना दिवस ने पूरे देश और प्रदेश को भगवा रंग में रंग दिया। 6 अप्रैल को मनाए गए इस खास अवसर पर दिल्ली से लेकर उत्तर प्रदेश के कोने-कोने तक भाजपाइयों का उत्साह सड़कों पर उतर आया। मंचों पर भाषणों की गूंज सुनाई दी, कार्यकर्ताओं के नारे हवा में गूंजे और भगवा झंडियां लहराईं। यह दिन सिर्फ पार्टी का जश्न था, बल्कि आने वाले समय के लिए एक नई ऊर्जा का संचार करने वाला पल साबित हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे दिग्गजों की मौजूदगी ने इस उत्सव को और भव्य बना दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में आयोजित एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित करते हुए भाजपा के 47 वर्षों के सफर को बारीकी से बयान किया। उन्होंने बताया कि कैसे पार्टी ने शुरुआती दिनों में किन-किन चुनौतियों का सामना किया। इंदिरा गांधी के आपातकाल के दौर में जब लोकतंत्र कुचला जा रहा था, तब भाजपा के संस्थापकों ने अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और अन्य नेताओं के नेतृत्व में संघर्ष की राह चुनी। मोदी ने कहा कि आपातकाल के बाद 1980 में स्थापित हुई भाजपा ने कभी समझौता नहीं किया। वे बोले कि पार्टी ने हमेशा राष्ट्रवाद, राम मंदिर निर्माण और एकात्म मानववाद जैसे सिद्धांतों पर डटी रही। चुनौतियों में आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और कांग्रेस की एकछत्र सत्ता शामिल थी। लेकिन भाजपा ने जनता के बीच जाकर अपनी बात रखी। मोदी ने पुराने नेताओं के किस्से सुनाए। उन्होंने अटल जी की कविता और वाक्पटुता का जिक्र किया, जो सदन में विपक्ष को चुप करा देती थी। आडवाणी जी की राम रथ यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस यात्रा ने पूरे देश को एक सूत्र में बांध दिया। इन किस्सों से कार्यकर्ताओं में जोश भर गया।

मोदी ने कांग्रेस के पतन के कारणों पर भी रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने नेहरू युग से ही परिवारवाद को बढ़ावा दिया। इंदिरा गांधी के समय आपातकाल ने लोकतंत्र को कुचल दिया, जिससे जनता का भरोसा टूटा। राजीव गांधी के दौर में बोफोर्स घोटाले ने भ्रष्टाचार की पोल खोल दी। उसके बाद पीवी नरसिम्हा राव और फिर सोनिया-मनमोहन सिंह की सरकारों में महंगाई, भ्रष्टाचार और आतंकवाद ने देश को जकड़ लिया। 2जी, कोलगेट और कमलनाथ जैसे घोटालों ने कांग्रेस को बदनाम कर दिया। मोदी ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस ने वादे तो किए, लेकिन पूरा करने की बजाय देश को कर्ज के बोझ तले दबा दिया। दूसरी तरफ भाजपा का उभार इन कमियों को भरने वाला साबित हुआ। 1998 में अटल जी की सरकार ने पोखरण परमाणु परीक्षण कर देश को मजबूत बनाया। 2014 में मोदी सरकार ने विकास, डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसे कदम उठाए। आज भाजपा सत्ता में है और देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी बन चुकी है।उत्तर प्रदेश में इस स्थापना दिवस का रंग कुछ और ही था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई जिलों में कार्यक्रमों में शिरकत की। लखनऊ के भाजपा मुख्यालय से लेकर वाराणसी तक सभाओं में उनकी उपस्थिति ने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया। योगी ने कहा कि प्रदेश में बुलडोजर कार्रवाई से माफिया खत्म हुए और कानून का राज स्थापित हुआ। उन्होंने 2027 विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कार्यकर्ताओं से कहा कि भाजपा फिर से पूर्ण बहुमत हासिल करेगी। योगी ने मोदी जी के भाषण का हवाला देते हुए बताया कि पार्टी ने गरीबी उन्मूलन, किसान कल्याण और महिला सशक्तिकरण पर जो काम किया, वह जनता भूलेगी नहीं। लखनऊ में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में हजारों कार्यकर्ता जुटे। भगवा पटके लपेटे युवा नारे लगा रहे थे। योगी ने पुराने नेताओं को याद किया और कहा कि उनकी कुर्बानियां आज फलीभूत हो रही हैं।

देशभर में स्थापना दिवस के जश्न का अलग-अलग रूप दिखा। दिल्ली के रामलीला मैदान में मोदी का भाषण सुनने वालों की भारी भीड़ उमड़ी। लोग ट्रैक्टरों, जीपों और बसों से आए। गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार और मध्य प्रदेश में भी सभाएं हुईं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय स्तर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पार्टी अब दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, जिसके एक करोड़ से ज्यादा सदस्य हैं। चुनौतियों के बावजूद भाजपा ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैलाव किया। पूर्वोत्तर में भाजपा की सरकारें बनीं, जहां कभी कांग्रेस का वर्चस्व था। मोदी ने भाषण में ट्रिपल तलाक बंदी, अनुच्छेद 370 हटाने और सीएए जैसे फैसलों का जिक्र किया। इनसे अल्पसंख्यकों को भी न्याय मिला, भले विपक्ष इसे तोड़-मरोड़कर पेश करे। कांग्रेस के पतन की कहानी भाजपा के उभार से जुड़ी हुई है। जहां कांग्रेस ने धर्मनिरपेक्षता के नाम पर वोटबैंक की राजनीति की, वहीं भाजपा ने सबका साथ-सबका विकास का मंत्र दिया। 1977 के चुनाव में जनता पार्टी की जीत के बाद भी कांग्रेस वापसी कर ली, लेकिन 1989 के बाद उसका ग्राफ लगातार गिरता गया। भाजपा ने 1991 में पहली बार केंद्र में सरकार बनाई, फिर 1998-2004 तक शासन किया। लेकिन असली मोड़ 2014 और 2019 में आया। मोदी की लहर ने भाजपा को 303 सीटें दिलाईं। आज पार्टी के पास केंद्र और अधिकांश राज्यों में सरकारें हैं। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में 403 में से 273 सीटें जीतकर भाजपा ने इतिहास रचा। योगी सरकार ने मंदिर निर्माण को गति दी, जिससे अयोध्या भगवा नगरी बन गई।

इस स्थापना दिवस ने कार्यकर्ताओं में नई उम्मीद जगाई। सड़कों पर भगवा जुलूस निकले, घर-घर में मीठाई बांटी गई। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर रहे थे। मोदी ने अंत में कहा कि आने वाले समय में भाजपा देश को विकसित भारत बनाएगी। 2047 तक भारत विश्व गुरु बनेगा। योगी ने प्रदेश कार्यकर्ताओं से कहा कि 2027 के चुनाव में फिर से भाजपा की लहर आएगी। विपक्ष के घोटालों और वादाखिलाफी के खिलाफ जनता भाजपा को ही चुनेगी। इस तरह स्थापना दिवस सिर्फ इतिहास का स्मरण नहीं, बल्कि भविष्य का संकल्प बन गया। भाजपा का सफर संघर्षों से भरा रहा। 1984 में सिर्फ दो सीटों से शुरुआत हुई, लेकिन धैर्य और संगठन शक्ति ने इसे शिखर पर पहुंचाया। पुराने नेताओं जैसे कुशाभाऊ ठाकरे, मुरली मनोहर जोशी की मेहनत रंग लाई। आज मोदी-योगी की जोड़ी इस विरासत को आगे बढ़ा रही है। देश का माहौल भगवामय होने से साफ है कि जनता भाजपा के साथ है। आने वाले चुनावों में यह जोश जीत का आधार बनेगा।

इजराइल ने ईरान के साउथ पार्स पेट्रोकेमिकल संयंत्र पर हमला किया : रक्षा मंत्री

दुबई : इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने सोमवार को ईरान के असलुयेह में दक्षिण पार्स पेट्रोकेमिकल संयंत्र को निशाना बनाकर हमला करने की पुष्टि की। काट्ज की यह टिप्पणी ईरान के इस दावे के बाद आई कि दक्षिण पार्स प्राकृतिक गैस क्षेत्र में स्थित सुविधाओं को निशाना बनाकर हमले किए गए। काट्ज ने कहा कि इजराइल ने असलुयेह में स्थित ईरान के सबसे बड़े पेट्रोकेमिकल संयंत्र पर जबरदस्त हमला किया, जो एक प्रमुख लक्ष्य है, जिसका देश के कुल पेट्रोकेमिकल उत्पादन में लगभग 50 फीसदी का योगदान है। इजराइल के मार्च में दक्षिण पार्स में स्थित सुविधाओं पर हमला करने के बाद ईरान ने पश्चिम एशिया के तेल और प्राकृतिक गैस स्थलों को तेजी से निशाना बनाना शुरू कर दिया था।

आज का पंचांग

कोलकाता : 7 अप्रैल, मंगलवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, वैशाख कृष्णपक्ष पंचमी, 16:35 तक, नक्षत्र : ज्येष्ठा, 29:47 तक, योग : व्यतिपाता, 16:10 तक, सूर्योदय: 05:24, सूर्यास्त: 17:53, चन्द्रोदय : 22:42, चन्द्रास्त: 08:30, शक सम्वतः 1948 पराभव, सूर्य राशि : मीन, चन्द्र राशि : वृश्चिक, राहू काल : 14:44 से 16:17

राशिफल

मेष : आज आपका दिमाग जैसे नए-नए आइडियाज की फैक्ट्री बन गया है, हर पल कुछ नया सोचने और उसे करने का जुनून रहेगा।

वृष : आज का दिन आपके लिए राहत और खुशियों की सौगात लेकर आया है। खर्चों पर कंट्रोल रखेंगे तो मन भी हल्का रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को पहचान और सम्मान मिल सकता है।

मिथुन : आज किस्मत आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। सामाजिक कार्यों में आपकी पहचान बढ़ेगी और बड़े लोगों से मिलने का मौका भी मिल सकता है।

कर्क : आज आप ऊर्जा से भरपूर नजर आएंगे और आपकी समझदारी हर काम को आसान बना देगी। भगवान की भक्ति में मन लगेगा और दिल को सुकून मिलेगा।

सिंह : आज आपका आत्मविश्वास आसमान छूता नजर आएगा, खासकर बिजनेस में आपकी योजनाएं आपको शानदार लाभ दिला सकती हैं।

कन्या : आज निवेश से जुड़े फैसले आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। काम के सिलसिले में यात्रा भी करनी पड़ सकती है, जो आगे चलकर लाभ देगी।

तुला : आज आर्थिक स्थिति मजबूत होती नजर आएगी और व्यापार में नई साझेदारी का रास्ता खुल सकता है। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के नए दरवाजे खुलेंगे।

वृश्चिक : आज आपका दिन सफलता और संतोष से भरा रहेगा। उन्नति की राह पर आप तेजी से आगे बढ़ेंगे और धन-समृद्धि में वृद्धि होगी।

धनु : बिजनेस में आपकी मेहनत रंग लाएगी और जीवनसाथी को दी गई सलाह उनके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। आपकी लगन आपको एक नई ऊंचाई तक पहुंचाएगी।

मकर : आज आपको हर कदम सोच-समझकर उठाने की जरूरत है, क्योंकि जल्दबाजी आपको परेशानी में डाल सकती है। बिजनेस में बदलाव करने से बचें, वरना नुकसान हो सकता है।

कुम्भ : आज का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन आपको अपने भावनाओं पर काबू रखना होगा। किस्मत आपका साथ देगी, लेकिन आलस्य आपको पीछे खींच सकता है।

मीन : आज सेहत आपका पूरा साथ देगी और पुरानी समस्याओं से राहत मिलेगी। हालांकि कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप संभाल लेंगे।

विदेश की खबरें

ईरान को एक रात में तबाह किया जा सकता है और वह रात कल हो सकती है: ट्रंप

तेहरान : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को फिर से धमकी देते हुए कहा है कि पूरे देश को एक ही रात में तबाह किया जा सकता है और वह रात कल हो सकती है। ट्रंप ने ईरान के पुलों और बिजली संयंत्रों को नष्ट करने की धमकी देते हुए यह भी कहा कि उन्हें युद्ध अपराधों की 'कतई' चिंता नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि अगर तेहरान मंगलवार को रात आठ बजे तक आत्मसमर्पण नहीं करता है तो ईरान के असैन्य बुनियादी ढांचे पर हमले किए जाएंगे। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा, ''आज सबसे अधिक हमले होंगे और कल, आज से भी अधिक हमले किए जाएंगे।'' इससे पहले ईरान ने 45 दिन के युद्धविराम के प्रस्ताव को खारिज करते हुए कहा कि वह युद्ध का स्थायी अंत चाहता है। ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, ''पूरे देश पर एक ही रात में कब्जा किया जा सकता है और वह रात कल हो सकती है।'' उन्होंने कहा कि समझौता करने के लिए ईरान को दी गई मंगलवार रात आठ बजे की समयसीमा अंतिम है। ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि वह या तो निर्धारित समयसीमा के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य खोले या बिजली संयंत्रों और पुलों पर हमले का सामना करने के लिए तैयार रहे।

भारतीय राजदूत ने बांग्लादेश के साथ संबंधों को फिर से मजबूत करने के दिल्ली के इरादे का आश्वासन दिया

ढाका : भारत बांग्लादेश के साथ भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण अपनाते हुए संबंधों को फिर से मजबूत करने के लिए तैयार है। भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने सोमवार को बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को यह जानकारी दी। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई, जब भारत और बांग्लादेश फरवरी में हुए संसदीय चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की जीत के परिणामस्वरूप तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के बाद द्विपक्षीय संबंधों को फिर से मजबूत करने के प्रयास कर रहे हैं। इससे पहले, मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान दोनों देशों के रिश्तों में काफी तनाव आ गया था। भारतीय उच्चायोग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि बैठक के दौरान वर्मा और रहमान ने ''दोनों देशों की राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में जन-केंद्रित सहयोग पर ध्यान देते हुए द्विपक्षीय सहभागिता'' पर चर्चा की। भारतीय उच्चायुक्त ने यह भी कहा कि भारत ''सकारात्मक, रचनात्मक और भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण अपनाते हुए तथा परस्पर हित और परस्पर लाभ के आधार पर बांग्लादेश की सरकार और जनता के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।'' सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता के हवाले से बताया कि वर्मा ने यहां बांग्लादेश सचिवालय स्थित कैबिनेट डिवीजन कार्यालय में रहमान से शिष्टाचार भेंट की। हालांकि इस बारे में तत्काल कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई।

वर्ग पहेली नं. 3402

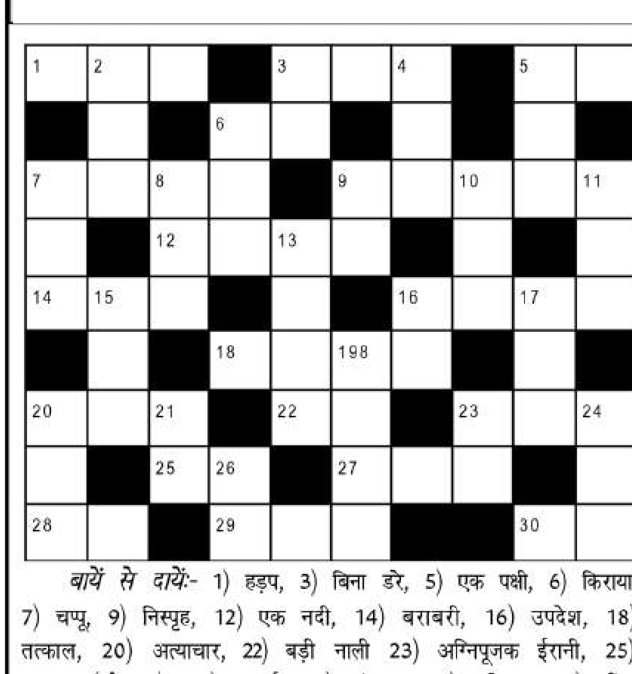

बायें से दायें:- 1) हड़प, 3) बिना डरे, 5) एक पक्षी, 6) किराया, 7) चप्पू, 9) निस्पृह, 12) एक नदी, 14) बराबरी, 16) उपदेश, 18) तत्काल, 20) अत्याचार, 22) बड़ी नाली 23) अग्निपूजक ईरानी, 25) सहारा (बूढ़े का), 27) वाक़ई, 28) कंठगत, 29) मुश्किल, 30) डींग.

ऊपर से नीचे:- 2) अत्यंत, 3) नौकासमूह, 4) कृषिउत्पाद, 5) जोशीला, 6) एक देश, 7) लेकिन, 8) आसक्ति, 9) लज्जा, 10) शेरदिल, 11) छुटकारा, 13) लिपटाना, 15) स्वादिष्ट, 16) अभिनेता, 17) शस्त्र, 19) भागना, 20) देशद्रोही, 21) आफ़त, 23) अर्जुन, 24) नमी, 26) सही.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

सु	रं	ग	■	■	प	ह	ल	वा	न
ग	■	र	ज	नी	च	र	■	द	म
म	हि	मा	■	■	प	■	बे	■	स्व
ता	■	ग	र	द	न	■	बा	ब	र
■	प	र	व	श	■	स	क	ल	■
ह	रा	मी	■	म	ज	मा	■	■	रा
■	धी	■	झी	ल	■	प	र	हे	ज़
जा	न	ना	■	व	च	न	■	रं	■
प	ता	व	र	■	ना	■	बे	ब	स

सुडोकू-पहेली-3360

		1	8					6
8		3	9		1	5		
7							4	
9							6	5
	8		3	9	4			
	4	5			2			
						8	5	3
								2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3359 का उत्तर

2	5	1	7	9	4	6	3	8
8	4	6	3	5	1	7	2	9
3	7	9	8	6	2	1	5	4
9	3	8	5	4	7	2	6	1
6	1	4	2	8	3	9	7	5
7	2	5	6	1	9	8	4	3
1	9	7	4	2	5	3	8	6
4	6	3	1	7	8	5	9	2
5	8	2	9	3	6	4	1	7

कांग्रेस और उनके सहयोगियों को न दें वोट : अभिषेक

मुर्शिदाबाद : तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को यह दावा करते हुए लोगों से कांग्रेस को वोट न देने की अपील की कि इससे भाजपा ही मजबूत होगी। तृणमूल महासचिव अभिषेक बनर्जी ने मुर्शिदाबाद जिले के जलांगी में एक रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस का भाजपा और वामदलों के साथ साठगांठ है तथा उसके प्रत्याशियों को वोट देने से गैर–भाजपा वोट बंट जाएंगे और भाजपा को ही फायदा होगा। उन्होंने श्रोताओं से कहा कि जब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण आपका नाम मतदाता सूची से गायब हो गया, तो क्या उसने (कांग्रेस ने) आपकी (मतदाताओं की) मदद की? तृणमूल ने निर्वाचन आयोग

और भाजपा से बहादुरी से लड़ाई नहीं लड़ी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आपका नाम मतदाता सूची में शामिल हो। किसी भी अन्य दल ने निर्वाचन आयोग एवं भाजपा से लड़ाई नहीं लड़ी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग और भाजपा की भूमिका बेनकाब की तथा पूरक सूचियों का प्रकाशन और न्यायाधिकरणों की स्थापना सुनिश्चित किया। नागरिकों को उनके मताधिकार से वंचित करने की इस घिनौनी साजिश का शुरू से केवल हमने विरोध किया। कांग्रेस और अन्य दलों ने कुछ नहीं किया। हम हमेशा आपके (जनता के) साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम अंतिम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, उन्हें न्यायाधिकरणों में अपील करनी चाहिए । उन्होंने आश्वासन दिया कि तृणमूल कांग्रेस उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करेगी। अभिषेक ने भाजपा और अन्य 'स्वार्थी तत्वों' पर मुर्शिदाबाद में चुनाव से पहले सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के कोलकाता पर हमले की धमकी पर मोदी चुप क्यों हैं : अभिषेक बनर्जी

सिलीगुड़ी : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बात को दोहराते हुए, तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पाकिस्तान के रक्षा मंत्री द्वारा कोलकाता पर हमले की धमकी पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। सिलीगुड़ी में एक रैली को संबोधित करते हुए अभिषेक बनर्जी ने प्रधानमंत्री और उनके वरिष्ठ मंत्रिमंडल सहयोगियों की चुप्पी की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस धमकी पर चुप हैं। वह (आसिफ) पाकिस्तान में बैठकर कोलकाता पर हमले की धमकी दे रहे हैं, जबकि मोदी कूचबिहार में चुनाव प्रचार कर रहे हैं और लोगों से तृणमूल को सत्ता से हटाने की अपील कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शाह हमें बांग्लादेशी और पाकिस्तानी करार देते हैं, और जब वे (पाकिस्तानी रक्षा मंत्री) कोलकाता पर हमला करने की धमकी देते हैं, तो वह मूक दर्शक की तरह बैठे रहते हैं। क्या यही आपका 56 इंच का सीना है? केंद्र सरकार पर एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए अभिषेक ने कहा कि मोदी एकमात्र ऐसे नेता हैं जो सेना, सुरक्षा बलों और केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ कर रहे हैं, जबकि अन्य देश अपनी सेनाओं का इस्तेमाल बाहरी दुश्मनों से लड़ने के लिए करते हैं।

विभू गोयल अतिरिक्त सीईओ नियुक्त

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने सोमवार को आईएएस अधिकारी विभू गोयल को तत्काल प्रभाव से अतिरिक्त सीईओ नियुक्त किया और उन्हें मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण समन्वय की जिम्मेदारियां सौंपीं। यह जानकारी एक आधिकारिक आदेश में दी गई। सीईओ मनोज कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार, गोयल अगले आदेश तक इस पद पर बने रहेंगे। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में गोयल निर्वाचन आयोग, न्यायाधीशों की अध्यक्षता वाले अपीलीय न्यायाधिकरणों और कलकत्ता उच्च न्यायालय के बीच एकमात्र संपर्क बिंदु के रूप में कार्य करेंगे। वह निर्वाचन आयोग द्वारा न्यायाधिकरणों को जारी किए गए निर्देशों और सलाहों के वास्तविक समय पर संचार को सुनिश्चित करने के लिए भी जिम्मेदार होंगे। आदेश में कहा गया है कि वे अपीलीय प्रक्रिया के सुचारू संचालन को सुगम बनाने के लिए न्यायाधिकरण स्थलों पर बुनियादी ढांचे और रसद संबंधी तैयारियों की देखरेख करेंगे, जिसमें कर्मचारियों, तकनीकी सहायता, परिवहन और सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाएं शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि गोयल विभिन्न जिलों में निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर अपलोड की गई अपीलों की स्थिति की निगरानी भी करेंगे और मानदेय, समयसीमा और भुगतान की प्रक्रिया जैसे मामलों पर न्यायाधीशों के साथ समन्वय करेंगे। इसके अतिरिक्त, उन्हें न्यायाधिकरणों के सदस्यों द्वारा उठाए गए प्रश्नों और शिकायतों का समाधान करने का भी कार्य सौंपा गया है।

फरक्का के बाद रतुआ में भी सुलझा नामांकन संकट, ट्रिब्यूनल के आदेश से कांग्रेस उम्मीदवार को राहत

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर तुरंत सुनवाई, मतदाता सूची में नाम जुड़ते ही नामांकन का रास्ता साफ

मालदा/कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच मतदाता सूची से नाम हटने को लेकर पैदा हुए विवाद में कांग्रेस को एक और बड़ी राहत मिली है। फरक्का के बाद अब रतुआ सीट से कांग्रेस उम्मीदवार मोहम्मद मोत्ताकिन आलम के नामांकन में आ रही बाधा भी दूर हो गई है।

ट्रिब्यूनल ने अपने दूसरे महत्वपूर्ण फैसले में निर्देश दिया है कि मोत्ताकिन आलम का नाम तुरंत मतदाता सूची में जोड़ा जाए। इसके बाद उनके नामांकन दाखिल करने में आ रही अड़चन खत्म हो गई है।

जानकारी के अनुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद मोत्ताकिन आलम का नाम विचाराधीन सूची में चला गया था और बाद में सूची से हटा भी दिया गया। जबकि कांग्रेस ने उन्हें रतुआ विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया था। नाम मतदाता सूची में न होने के कारण उनके नामांकन पर संकट खड़ा हो गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए उम्मीदवार ने तुरंत सुप्रीम कोर्ट का रुख किया और रिट याचिका दाखिल की। सोमवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे सुनवाई शुरू होते ही शीर्ष अदालत ने त्वरित हस्तक्षेप करते हुए ट्रिब्यूनल को निर्देश दिया कि दोपहर 12 बजे तक मामले का निपटारा किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद सॉल्टलेक स्थित ट्रिब्यूनल कार्यालय में तत्काल सुनवाई शुरू हुई। बाद में ट्रिब्यूनल ने आदेश दिया कि मोत्ताकिन आलम का नाम तुरंत मतदाता सूची में शामिल किया जाए।

इस फैसले के बाद कांग्रेस उम्मीदवार के लिए नामांकन दाखिल करने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है।

गौरतलब है कि इससे पहले फरक्का सीट से कांग्रेस उम्मीदवार माहताब शेख के मामले में भी ट्रिब्यूनल ने इसी तरह का फैसला सुनाते हुए राहत दी थी। लगातार दूसरे फैसले के बाद यह मुद्दा राज्य की चुनावी राजनीति में प्रमुख चर्चा का विषय बन गया है।

हाजरा मोड़ पर तनाव, पापिया अधिकारी के नामांकन को लेकर आमने–सामने भाजपा–तृणमूल

भाजपा का आरोप–एक घंटे रोके रखा गया जुलूस; पुलिस बोली–सुरक्षा कारणों से की गई कार्रवाई

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच कोलकाता के हाजरा मोड़ और अलीपुर सर्वे बिल्डिंग इलाके में सोमवार को उस समय तनाव की स्थिति बन गई, जब भाजपा उम्मीदवार पापिया अधिकारी के नामांकन को लेकर विवाद खड़ा हो गया।

भाजपा ने आरोप लगाया कि नामांकन दाखिल करने जा रही पापिया अधिकारी की रैली को हाजरा मोड़ पर करीब एक घंटे तक पुलिस ने रोककर रखा। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी बहस भी हुई।

पापिया अधिकारी ने आरोप लगाया कि अन्य दलों के उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करने दिया गया,

लेकिन उनके साथ भेदभाव किया गया। उन्होंने कहा, हमें एक घंटे तक हाजरा मोड़ पर खड़ा रखा गया। पुलिस का रवैया तृणमूल जैसा लग रहा है। अगर नामांकन ही नहीं करने दिया जाएगा तो चुनाव कैसे होगा?

हालांकि पुलिस ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सुरक्षा कारणों से भीड़ को नियंत्रित किया जा रहा था और नामांकन दाखिल करने में कोई बाधा नहीं दी गई।

इस बीच अलीपुर सर्वे बिल्डिंग परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था और पूरे इलाके को बैरिकेड से घेर दिया गया था। इसके बावजूद तृणमूल कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ता आमने–सामने आ गए।

दोनों पक्षों के बीच जमकर नारेबाजी हुई। एक ओर भाजपा समर्थक जय श्रीराम के नारे लगा रहे थे, तो दूसरी ओर तृणमूल समर्थकों ने जय बांग्ला के नारे लगाए। नारेबाजी के कारण इलाके में तनाव का माहौल बन गया।

सूत्रों के अनुसार, भवानीपुर में हाल ही में हुए नामांकन विवाद और चार पुलिस अधिकारियों के निलंबन के बाद अलीपुर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इसके बावजूद नामांकन प्रक्रिया के दौरान फिर से तनाव की स्थिति सामने आई। फिलहाल पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है और पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

कलाकार नंदलाल बोस के पोते मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर न्यायाधिकरण का रुख करें : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली/कोलकाता : उच्चतम न्यायालय ने महान कलाकार नंदलाल बोस के 88 वर्षीय पोते को पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास के दौरान मतदाता सूची से उनका नाम हटाए जाने के मामले में अपीलीय न्यायाधिकरण का रुख करने का सोमवार को निर्देश दिया। नंदलाल बोस आधुनिक भारतीय कला के अग्रदूत थे। उन्हें संविधान की मूल पांडुलिपि का चित्रण करने और प्रतिष्ठित हरिपुरा पोस्टर बनाने के लिए जाना जाता है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने नंदलाल बोस के पोते की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई की। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता ने पीठ के समक्ष अपने मुवक्किल की व्यथा बयां की और उन्हें मतदान के मौलिक अधिकार से वंचित किए जाने पर चिंता जताई। पीठ ने याचिकाकर्ता को फैसले को अपीलीय न्यायाधिकरण में चुनौती देने की छूट दे दी। निर्वाचन आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता डीएस नायडू ने शीर्ष अदालत को भरोसा दिलाया कि आयोग न्यायाधिकरण को त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगा। पीठ ने न्यायाधिकरण से मामले का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

हावड़ा में हाईराइज इमारतों में बनेंगे मतदान केंद्र, चुनाव आयोग का बड़ा कदम

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा जिले में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मतदान प्रक्रिया को अधिक सुगम और सहभागितापूर्ण बनाने के लिए चुनाव आयोग ने अहम कदम उठाया है। 300 से अधिक मतदाताओं वाले हाईराइज आवासीय परिसरों में मतदान केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। यह जानकारी सोमवार को हावड़ा की जिलाधिकारी दीपाप प्रिया पी ने पत्रकार सम्मेलन में दी। उन्होंने बताया कि इस बार शहरी बहुमंजिला इमारतों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। इसी के तहत बाली क्षेत्र में फोरम प्रवीश, शांतिनगर हाउसिंग कॉलोनी और विष्णुबाटिका में मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। इसके अलावा मध्य हावड़ा के विवेक विहार इलाके में भी दो बूथ स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। प्रशासन का कहना है कि जिन परिसरों में मतदाताओं की संख्या 300 से अधिक है और मतदान केंद्र तक पहुंचने में कठिनाई होती है, वहां यह सुविधा दी जा रही है, ताकि लोग अपने आवास परिसर से ही आसानी से मतदान कर सकें। इससे विशेष रूप से बुजुर्गों और महिलाओं की भागीदारी बढ़ने की उम्मीद है। उत्तर हावड़ा में पहले हाईराइज निवासियों को मतदान में दिक्कतों की शिकायतें सामने आई थीं। हालांकि इस बार वहां अलग से बूथ नहीं बनाए गए हैं, लेकिन प्रशासन ने स्थिति पर नजर रखने की बात कही है। जिलाधिकारी ने बताया कि चुनावी कार्यक्रम जारी कर दिया गया है और निर्धारित समयसीमा के अनुसार तैयारियां चल रही हैं। शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है। वर्तमान में जिले में 59 कंपनियां केंद्रीय बल की तैनात हैं, जो लगातार गश्त कर रही हैं, ताकि मतदाताओं में सुरक्षा और विश्वास का माहौल बना रहे।

भाजपा नेता राकेश सिंह को हाईकोर्ट से जमानत, कोलकाता पोर्ट सीट से उम्मीदवार बनाए जाने की अटकलें तेज

एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर राहत, रिहाई के बाद मंत्री फिरहाद हाकिम पर साधा निशाना

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा को एक अहम राहत मिली है। पार्टी नेता राकेश सिंह को कोलकाता हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। सोमवार को न्यायमूर्ति कौशिक चंद की पीठ ने उन्हें एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत देने का आदेश दिया।

जानकारी के अनुसार, सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद मंगलवार को उनकी जेल से रिहाई संभव है। जमानत मिलने के तुरंत बाद राकेश सिंह ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह कार में बैठे नजर आ रहे हैं। पोस्ट में उन्होंने सत्यमेव जयते लिखते हुए पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए।

साथ ही उन्होंने राज्य के मंत्री और कोलकाता पोर्ट सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार फिरहाद हाकिम पर भी निशाना साधा।

गौरतलब है कि भाजपा ने अभी तक इस सीट से अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। ऐसे में राकेश सिंह को जमानत मिलने के बाद यह अटकलें तेज हो गई हैं कि पार्टी उन्हें कोलकाता पोर्ट सीट

से मैदान में उतार सकती है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि भाजपा राकेश सिंह को इस सीट से उम्मीदवार बनाती है, तो मुकाबला और दिलचस्प हो सकता है, क्योंकि यहां पहले से ही हाई–प्रोफाइल राजनीतिक टक्कर की स्थिति बनी हुई है।

टिकट न मिलने पर एसडीपीआई में शामिल हुए मशीउर रहमान, तृणमूल ने किया निलंबित

❑ **दल विरोधी गतिविधियों का आरोप, सागरदिघी से दूसरे गठबंधन के उम्मीदवार बने**

मुर्शिदाबाद : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों में असंतोष और दल–बदल की घटनाएं तेज हो गई हैं। मुर्शिदाबाद के सागरदिघी में तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका देते हुए पंचायत समिति के अध्यक्ष मशीउर रहमान ने पार्टी छोड़कर सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) का दामन थाम लिया है। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार, मशीउर रहमान सागरदिघी पंचायत समिति के अध्यक्ष थे और आगामी विधानसभा चुनाव में तृणमूल से टिकट की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए पार्टी छोड़ने का फैसला किया। इसके बाद वह एसडीपीआई में शामिल हो गए और अब चुनावी मैदान में उम्मीदवार के तौर पर उतर चुके हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने वाम दलों और आईएसएफ के महागठबंधन के उम्मीदवार के रूप में सागरदिघी विधानसभा सीट से बहारामपुर उप–मंडल कार्यालय में नामांकन भी दाखिल कर दिया है। इस घटनाक्रम के सामने आते ही तृणमूल कांग्रेस ने कड़ा रुख अपनाया। पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर जंगीपुर संगठनात्मक जिला तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष और सांसद खलिलुर रहमान ने मशीउर रहमान को पार्टी से निलंबित करने की घोषणा की। तृणमूल की ओर से जारी संदेश में कहा गया है कि मशीउर रहमान ने पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होकर अनुशासन का उल्लंघन किया है, जिसके कारण उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव से ठीक पहले इस तरह के दल–बदल और असंतोष का असर स्थानीय स्तर पर चुनावी समीकरणों पर पड़ सकता है।

जादवपुर में 'विकास' पर भरोसा कमजोर, वोट के लिए बुद्धदेव की विरासत पर दांव लगा रही सीपीएम

❑ **उम्मीदवार विकासरंजन भट्टाचार्य को प्रचार में विरोध का सामना, टीएमसी–बीजेपी ने साधा निशाना**

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले कोलकाता के जादवपुर विधानसभा क्षेत्र में दिलचस्प चुनावी तस्वीर सामने आ रही है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम) इस बार अपने उम्मीदवार की बजाय दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की छवि के सहारे मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

करीब डेढ़ दशक बाद फिर से यादवपुर की गलियों में बुद्धदेव भट्टाचार्य की तस्वीरें और पुराने भाषणों की रिकॉर्डिंग सुनाई दे रही हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं का मानना है कि उनकी साफ–सुथरी छवि और रोजगार के मुद्दे पर किए गए प्रयास

आज भी मतदाताओं को प्रभावित कर सकते हैं।

हालांकि, इस सीट से सीपीएम उम्मीदवार विकासरंजन भट्टाचार्य को प्रचार के दौरान विरोध और सवालों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय स्तर पर उन्हें नौकरी छीनने वाला कहकर भी आलोचना की जा रही है। दरअसल, उनके एक मामले के संदर्भ में कोलकाता हाईकोर्ट ने 2024 में लगभग 26 हजार शिक्षकों की नियुक्ति रद्द करने का आदेश दिया था, जिसका राजनीतिक असर अब चुनाव में दिखाई दे रहा है।

सीपीएम के लिए स्थिति संभालना आसान नहीं दिख रहा। कई जगहों पर उनकी सभाओं में विरोध की स्थिति भी बनी है। ऐसे में पार्टी बुद्धदेव भट्टाचार्य की छवि को सामने रखकर नुकसान कम करने की कोशिश कर रही है।

वहीं तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार देवव्रत मजूमदार ने सीपीएम पर पलटवार करते हुए कहा कि अतीत के विकास मॉडल को याद दिलाना अब पार्टी के लिए उल्टा पड़ सकता है। उनका आरोप है कि सीपीएम शासन में उद्योग बंद हुए और उनकी जगह रियल एस्टेट परियोजनाएं खड़ी हुईं, जिससे रोजगार के अवसर घटे।

इधर भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार शरबरी मुखोपाध्याय ने भी कहा कि केवल पुराने चेहरों की तस्वीर दिखाकर चुनाव जीतना संभव नहीं है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यादवपुर में इस बार त्रिकोणीय मुकाबला है, जहां सीपीएम अपनी खोई जमीन वापस पाने की कोशिश में है, जबकि तृणमूल और भाजपा अपने–अपने आधार को मजबूत करने में जुटी हैं।

तृणमूल की सत्ता खत्म होने का समय आ गया : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल तेज हो गया है। इसी क्रम में सोमवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी कोलकाता की विभिन्न विधानसभा सीटों पर पार्टी उम्मीदवारों के नामांकन के दौरान मौजूद रहे। उनके नेतृत्व में एक रैली भी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

सोमवार को जिन भाजपा उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया, उनमें श्यामपुकुर से पूर्णिमा चक्रवर्ती, जोड़ासांको से विजय ओझा, मानिकतला से तापस राय, चौरंगी से संतोष पाठक और इंटाली से प्रियंका टिबड़ेवाल शामिल हैं।

इस मौके पर शुभेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला।

सोमवार को कोलकाता में भाजपा उम्मीदवारों के नामांकन के दौरान शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में रैली निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दिन श्यामपुकुर से पूर्णिमा चक्रवर्ती, जोड़ासांको से विजय ओझा, मानिकतला से तापस राय, चौरंगी से संतोष पाठक और इंटाली से प्रियंका टिबड़ेवाल ने नामांकन दाखिल किया।

उन्होंने कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ दल की लोकप्रियता लगातार घट रही है और आगामी चुनाव में उसका सत्ता से बाहर होना तय है। उन्होंने मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर के सामने ड्रोन उड़ने के आरोपों को भी निराधार बताया और कहा कि यह जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूचबिहार रैली में उमड़ी भीड़ यह दर्शाती है कि राज्य में बदलाव की लहर है और सभी वर्गों के लोग भाजपा के साथ जुड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अब पंचायत स्तर तक पार्टी को व्यापक समर्थन मिल रहा है। शुभेंदु अधिकारी के अनुसार, जनता भ्रष्टाचार, हिंसा और तुष्टीकरण की राजनीति से ऊब चुकी है और परिवर्तन चाहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में कानून व्यवस्था को मजबूत करने, पारदर्शी शासन देने और विकास को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध है।

तृणमूल उम्मीदवार रत्ना चट्टोपाध्याय पर तोड़फोड़ के मामले में प्राथमिकी दर्ज

❑ **मामले में छह गिरफ्तार, चोरी का मामला दर्ज**

❑ **चुनाव आयोग ने किया रिपोर्ट तलब**

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण कोलकाता के पर्णश्री इलाके में कथित तोड़फोड़ के मामले में बेहला पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार रत्ना चट्टोपाध्याय और छह अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि तृणमूल उम्मीदवार रत्ना चट्टोपाध्याय रविवार को पर्णश्री इलाके में तोड़फोड़ के मामले में शामिल पाई गईं। उसी दिन, पांच अप्रैल को प्राथमिकी दर्ज कर ली गई। पूरे घटनाक्रम और प्राथमिकी में नामजद लोगों की भूमिका का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि भाजपा नेता मनोज हलदर द्वारा चट्टोपाध्याय और छह अन्य के खिलाफ शिकायत करने के बाद यह मामला दर्ज किया गया। अपनी शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल के सात कार्यकर्ताओं ने उन्हें और अन्य लोगों को गलत तरीके से रोका, उनके एक सहयोगी के साथ मारपीट की और उनके पार्टी कार्यालय से लैपटॉप समेत अन्य सामान चुरा लिये। अधिकारी ने कहा कि हलदर ने दावा किया कि आरोपियों ने पार्टी कार्यालय के सामने लगे झंडों और बैनरों को नुकसान पहुंचाकर इलाके में भी तोड़फोड़ की। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि उसने जिला प्रशासन से इस मामले में रिपोर्ट मांगी है। अधिकारी ने कहा कि हमने विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आचार संहिता के किसी भी उल्लंघन पर कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

एफआईआर के बाद रत्ना चटर्जी ने आरोपों को बताया झूठा

दूसरी तरफ, इस पूरे मामले पर रत्ना चटर्जी ने बताया कि वह 131वें वार्ड की पार्षद हैं और बेहाला पश्चिम समिति से टीएमसी की उम्मीदवार हैं। उनके अनुसार, जिस घटना को लेकर विवाद हुआ, उसमें उनका कोई हाथ नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले उनके पार्टी का बैनर फाड़कर फेंक दिया गया था। जब उन्हें इसकी जानकारी मिली तो वह मौके पर पहुंचीं और देखा कि बैनर क्षतिग्रस्त किया गया है। इस घटना के बाद टीएमसी कार्यकर्ताओं में नाराजगी फैल गई और बड़ी संख्या में समर्थक वहां जमा हो गए। इसी दौरान कथित तौर पर भाजपा कार्यालय में लगे बैनर को भी नुकसान पहुंचाया गया। रत्ना चटर्जी ने आगे कहा कि उन्हें बाद में पता चला कि इस घटना के सिलसिले में टीएमसी के कुछ कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। वह अपने समर्थकों की रिहाई के लिए थाने भी गई थीं। उन्होंने दावा किया कि पुलिस द्वारा प्रस्तुत किए गए सीसीटीवी फुटेज में 10 किलोमीटर के दायरे में उनकी मौजूदगी नहीं दिखती। इसके बावजूद उनका नाम एफआईआर में शामिल किया गया है, जो पूरी तरह से गलत है।

बंगाल में खत्म होने जा रहा घुसपैठियों के भरोसे सरकार चलाने का दौर, जनता जवाब देने के लिए तैयार : संजय सेठ

रक्षा राज्यमंत्री ने बशीरहाट में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में किया रोड शो

कोलकाता, समाज्ञा : रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने सोमवार को बशीरहाट में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया। उन्होंने कहा कि बंगाल से परिवर्तन, सुरक्षा और राष्ट्रहित की ही आवाज उठ रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल के अंदर कानून व्यवस्था ठप हो चुकी है और जनता ने ममता बनर्जी के विदाई की तारीख तय कर दी है। संजय सेठ ने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार में अधिकारी तक भी सुरक्षित नहीं हैं। जहां पीएम मोदी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को नारा दे रहे हैं, वहीं ममता बनर्जी महिलाओं के साथ अपराध करने वालों को संरक्षण दे रही हैं। जनता ने 15 साल का कुशासन देख लिया है। अब जनता

बदला लेगी। रोजगार का मुद्दा उठाते हुए मंत्री ने कहा कि बंगाल में रोजगार नहीं है, 50 लाख युवा पलायन को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर के जरिए वोटर लिस्ट को शुद्ध किया जाता है। इससे किसी को आपत्ति क्यों हो सकती है। लेकिन, ममता बनर्जी बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए लड़ रही हैं। उन्हें बंगाल के लोगों की चिंता नहीं है। संजय सेठ ने कहा कि घुसपैठियों के भरोसे सरकार चलाने और नीतियां बनाने का दौर अब समाप्त होने वाला है। भारत कोई शरणार्थी शिविर नहीं है। यह 140 करोड़ देशवासियों का राष्ट्र है। सत्ता बचाने के लिए तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों को अब जनता जवाब देने के लिए तैयार है। इस बार, पूरे बंगाल से परिवर्तन, सुरक्षा और राष्ट्रहित की ही आवाज उठ रही है। बंगाल की जनता पीएम मोदी के विकास के साथ खड़ी है, दुनिया मोदी को देख रही है, तो बंगाल की जनता भी मोदी के साथ है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से बिहार में एनडीए ने जीत हासिल की, अब उस जीत को बंगाल में दोहराया जाएगा। ममता दीदी का सूपड़ा साफ हो जाएगा।

सरकारी शिक्षकों की प्राइवेट ट्यूशन पर हाईकोर्ट सख्त, राज्य से मांगी विस्तृत रिपोर्ट

2018 के प्रतिबंध के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं? तीन हफ्ते में हलफनामे के साथ जवाब देने का निर्देश

कोलकाता : सरकारी स्कूलों के शिक्षकों द्वारा प्राइवेट ट्यूशन किए जाने के मुद्दे पर कोलकाता हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने राज्य सरकार से इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट तलब करते हुए पूछा है कि 2018 में जारी प्रतिबंध के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

यह निर्देश मुख्य न्यायाधीश सुझय पाल और न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की खंडपीठ ने

दिया। अदालत ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को निर्देश दिया है कि 2018 की सरकारी गजट अधिसूचना और पूर्व न्यायालयीय आदेशों के पालन में अब तक क्या कदम उठाए गए, इसकी जानकारी हलफनामे के रूप में तीन सप्ताह के भीतर प्रस्तुत की जाए।

मामले में आरोप है कि स्पष्ट प्रतिबंध के बावजूद शहर के विभिन्न हिस्सों में बड़े पैमाने पर कोचिंग सेंटर संचालित हो रहे हैं, जिनसे सरकारी और अर्द्ध-सरकारी स्कूलों के शिक्षक जुड़े हुए हैं। अभिभावकों का कहना है कि कई मामलों में छात्रों पर उन्हीं शिक्षकों से ट्यूशन लेने का दबाव भी बनाया जाता है।

इस मुद्दे को लेकर वेस्ट बंगाल प्राइवेट ट्यूटर एसोसिएशन ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि 2018 की अधिसूचना और अदालत के पूर्व आदेशों के बावजूद शिक्षा विभाग और राज्य सरकार ने अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की है।

सुनवाई के दौरान एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ता आशीष कुमार चौधरी ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले शिक्षकों की सूची भी राज्य को सौंपी गई थी, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने मांग की कि सरकारी शिक्षकों द्वारा संचालित कोचिंग सेंटर और प्राइवेट ट्यूशन पर तत्काल रोक लगाई जाए।

लंबी सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने राज्य से जवाब तलब करते हुए स्पष्ट किया कि इस मुद्दे पर ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। अब अदालत की अगली सुनवाई में राज्य सरकार की रिपोर्ट पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

डीए भुगतान की दिशा में एक और कदम, सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों से मांगा गया विस्तृत डेटा

❑ 2016-2019 के बकाया महंगाई भत्ते का पूरा हिसाब तैयार करने का निर्देश, सेवानिवृत्त कर्मचारियों की जानकारी भी तलब

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में शिक्षकों और शिक्षाकर्मियों के महंगाई भत्ता (डीए) भुगतान की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नवान्न की ओर से उच्च शिक्षा विभाग ने सभी सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों से कार्यरत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों का विस्तृत ब्योरा मांगा है।

निर्देश के अनुसार, विश्वविद्यालयों के रजिस्ट्रारों को कहा गया है कि वे 2016 के जनवरी से 2019 के दिसंबर तक की अवधि के लिए कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन, भत्ते और पेंशन का पूरा विवरण तैयार करें। इसमें हर महीने दिए गए महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) की सटीक राशि का भी उल्लेख करना होगा।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी आंकड़ों को एमएस-एक्सेल फॉर्मेट में एक डाटाबेस के रूप में तैयार किया जाए। इसके बाद संबंधित डीडीओ (ड्रॉइंग एंड डिस्बर्सिंग ऑफिसर) द्वारा कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की सेवा पुस्तिका और पहचान के आधार पर इस जानकारी को प्रमाणित किया जाएगा।

गौरतलब है कि राज्य सरकार पहले ही 31 मार्च तक अपने कर्मचारियों को 2016 से 2019 तक के चार वर्षों का बकाया डीए चुका चुकी है। इसके बाद पिछले सप्ताह वित्त विभाग ने सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को डीए और डीआर भुगतान को लेकर बैठक भी की थी।

सूत्रों के अनुसार, सभी विभागों को यह निर्देश दिया गया है कि वे यह पता लगाएं कि कितने कर्मचारी और पेंशनभोगी डीए/डीआर के पात्र हैं और उन्हें वास्तविक रूप से कितनी राशि का भुगतान किया गया है। इसी कड़ी में हाल ही में पेंशनभोगियों को डीए देने संबंधी अधिसूचना भी जारी की गई थी।

अब विश्वविद्यालयों से मांगी गई यह जानकारी डीए भुगतान की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

बक्सर कोर्ट से तृणमूल नेता अशोक कुमार ओझा को बड़ी राहत, सभी आरोपों से बरी

कोलकाता/बक्सर : भारतीय वन अधिनियम से जुड़े एक मामले में बक्सर की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) अदालत ने तृणमूल नेता अशोक कुमार ओझा को सभी आरोपों से बरी कर दिया। सीजेएम देवेश कुमार की अदालत ने शिकायत संख्या 94-सी/2024 की सुनवाई करते हुए उचित संदेह की छाया के आधार पर यह फैसला सुनाया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका, जिसके चलते आरोपी को संदेह का लाभ दिया गया। कोर्ट ने ओझा को तत्काल प्रभाव से बरी करते हुए उनके जमानतदारों को भी बांड की जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया। यह मामला भारतीय वन अधिनियम की धारा 9, 39, 42ए, 44, 49बी, 51 और 52 के तहत दर्ज किया गया था, जिसमें वन क्षेत्र में कथित अवैध गतिविधियों के आरोप लगाए गए

थे। फैसले के बाद ओझा के वकील ने इसे न्यायिक जीत बताया और कहा कि जांच में कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि ओझा एक व्यवसायी हैं और उन पर राजनीतिक दबाव में मामला दर्ज किया गया था। फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए अशोक कुमार ओझा ने कहा, न्याय की जीत हुई है। हालांकि, इस मामले पर वन विभाग की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यह फैसला वन अधिनियम से जुड़े मामलों में जांच प्रक्रिया और साक्ष्यों की अहमियत को रेखांकित करता है।

भव्य जिनालय निर्माण के लिए शिलान्यास समारोह की रूपरेखा पर सफल कार्यक्रम आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर में दिगम्बर जैन समाज के लिए श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन जिनालय के निर्माण हेतु प्रस्तावित शिलान्यास समारोह की रूपरेखा को लेकर 5 अप्रैल 2026 को कला मंदिर सभागार में भव्य एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि जिनालय का ऐतिहासिक शिलान्यास 23 अप्रैल 2026 को दक्षिण कोलकाता स्थित 5, श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड पर संपन्न होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ पंच परमेष्ठी के स्मरण के साथ हुआ तथा उद्घाटन सुभाषजी बड़जात्या ने किया। इस अवसर पर विनोद काला, महेंद्र पांड्या, निर्मल बिंदाक्या, सीए कमल नयन जैन, हीरामणि छाबड़ा, देवेन्द्र गदिया, रजनीश काला, संजय काला, पंकज छाबड़ा एवं राकेश झाझरी सहित अनेक गणमान्यजन

उपस्थित रहे। विनोद काला ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में जिनालय निर्माण के आध्यात्मिक महत्व और समाज में इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इसके बाद महेंद्र पांड्या ने मंदिर की प्रस्तावित संरचना, वास्तु एवं विशेषताओं की विस्तृत जानकारी दी। वाह जिंदगी के ललित सरावगी द्वारा एआई तकनीक से तैयार मंदिर पर आधारित एक आकर्षक फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

मुख्य शिलादाता सुभाष चंदजी बड़जात्या परिवार तथा प्रमुख प्रायोजक निर्मल कुमार बिंदायका परिवार की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनका ट्रस्ट द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन सीए कमल नयन जैन ने किया, जबकि सह सचिव संजय कुमार काला ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में हीरामणि छाबड़ा के मार्गदर्शन में नाटिका का निर्देशन किया गया, जिसमें सुनीता बेनाड़ा का लेखन, प्रीति सोगानी का निर्देशन एवं मेघना पाटनी का नृत्य निर्देशन सराहनीय रहा। समापन गायन पंकज छाबड़ा द्वारा प्रस्तुत किया गया, जबकि मंगलाचरण नृत्य आयुषी जैन ने प्रस्तुत किया, जिसकी कोरियोग्राफी भी उन्होंने स्वयं की। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन रश्मि एवं राकेश झांझरी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक देवेन्द्र गदिया एवं सह संयोजक रजनीश काला के साथ-साथ युवा स्वयंसेवकों, व्यवस्थापक टीम एवं तकनीकी सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन ट्रस्ट ने सभी सहयोगियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

आसनसोल में बस से 22.4 किलो गांजा जब्त

आसनसोल : आसनसोल में चुनाव के दौरान नशा तस्करी के कई मामले सामने आ रहे हैं, जिससे पुलिस भी हैरान है। रविवार की शाम जुबली मोड़ पर एसएसटी (स्टैटिक सर्विलांस टीम) की नाका जांच के दौरान बोकारो से आ रही एक बस की तलाशी के दौरान बस से दो लावारिस बैग बरामद हुए। बैग खोलने पर उनमें गांजा पाया गया, जिसका कुल वजन 22.4 किलो था। पुलिस ने गांजा जब्त कर लिया, लेकिन इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। पुलिस का मानना है कि तस्कर बसों के जरिए बड़े पैमाने पर नशे की खेप इलाके में ला रहे हैं।

उत्तर बंगाल के स्वास्थ्य ढांचे और चिकित्सा व्यवस्था की स्थिति पर भाजपा सांसद ने उठाए सवाल

सिलीगुड़ी : उत्तर बंगाल के स्वास्थ्य ढांचे और चिकित्सा व्यवस्था की स्थिति को लेकर सोमवार को सिलीगुड़ी में भाजपा की तरफ से पत्रकार सम्मेलन आयोजित की गई। इस दौरान जलपाईगुड़ी के सांसद डॉ. जयंत राय ने क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि उत्तर बंगाल के सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या के मुकाबले बिस्तरों की भारी कमी है, जिससे लोगों को पर्याप्त इलाज नहीं मिल पा रहा है। डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी के कारण स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही है।

डॉ. राय ने प्राइमरी हेल्थ सेंटरों की स्थिति को भी चिंताजनक बताया। उन्होंने कहा कि कई केंद्रों में सप्ताह में केवल एक-दो दिन ही डॉक्टर उपलब्ध रहते हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोग प्राथमिक इलाज से भी वंचित हो रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि चाय बागान इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएं और बदहाल है, जहां दवाइयों और प्रशिक्षित स्टाफ की कमी है। उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज की स्थिति पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि वहां भीड़ अधिक है, सुरक्षा व्यवस्था कमजोर है और उपलब्ध संसाधनों का सही उपयोग नहीं हो रहा।

उन्होंने यह भी कहा कि स्वास्थ्य साथी कार्ड होने के बावजूद कई मरीजों को निजी अस्पतालों में इलाज नहीं मिल पाता, क्योंकि भुगतान में देरी होती है। साथ ही, आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की कमी का भी आरोप लगाया।

डॉ. राय ने कहा कि उन्नत चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में कैंसर जैसे गंभीर रोगों के इलाज के लिए लोगों को दूसरे राज्यों में जाना पड़ता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भाजपा सत्ता में आने पर स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक सुधार किया जाएगा और उत्तर बंगाल में एम्स स्तर के अस्पताल की स्थापना की दिशा में काम किया जाएगा।

भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार को जोड़ासांको विधानसभा के कार्यकर्ता दिवंगत पंकज सिंघानिया को बड़तल्ला स्ट्रीट पर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान जोड़ासांको से भाजपा उम्मीदवार विजय ओझा, मीना पुरोहित और कमल सिंह ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

पूर्व रेलवे ने स्क्रैप निपटान में बनाया रिकॉर्ड, 600 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्क्रैप निपटान के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए 600.11 करोड़ रुपये का गैर-भाड़ा राजस्व अर्जित किया है। स्वच्छता अभियान के तहत 'मिशन जीरो स्क्रैप' को लक्ष्य बनाकर चलाए गए अभियान के परिणामस्वरूप यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल हुई है। स्क्रैप बिक्री से प्राप्त यह राजस्व पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। वर्ष 2024-25 में जहां यह आंकड़ा 537.65 करोड़ रुपये था, वहीं 2023-24 में 489.93 करोड़ रुपये रहा था। इस प्रकार चालू वर्ष में क्रमशः 11.62 प्रतिशत और 22.49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

स्क्रैप निपटान के तहत 40 हजार मीट्रिक टन से अधिक रेल एवं पी-वे फिटिंग्स तथा लगभग 4 लाख पीएससी स्लीपरों को हटाया गया। इसके अलावा, रखरखाव कार्यों के दौरान उत्पन्न लगभग 65 हजार मीट्रिक टन फेरस स्क्रैप और बड़ी मात्रा में नॉन-फेरस स्क्रैप का भी निष्पादन किया गया।

रेलवे ने आधुनिकीकरण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए 410 कोच (ईएमयू, आईसीएफ, डीईएमयू), 910 वैगन, 18 डीजल इंजन तथा 19 इलेक्ट्रिक इंजन को भी नीलाम किया। साथ ही, 2000 से अधिक जर्जर सिविल संरचनाओं को हटाकर भूमि को विकास कार्यों के लिए मुक्त किया गया। सतत विकास की दिशा में भी पूर्व रेलवे ने पहल करते हुए स्क्रैप के पुनर्चक्रण में 27.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

इस संबंध में प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक संदीप शुक्ला ने कहा कि स्क्रैप के प्रभावी निपटान से न केवल राजस्व में वृद्धि हो रही है, बल्कि उपयोगी स्थान भी खाली हो रहा है और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है।

रेडमी 15ए 5जी लॉन्च, दमदार बैटरी स्मूद प्रदर्शन और बड़ा डिस्प्ले

कोलकाता, समाज्ञा : शाओमी इंडिया ने भारतीय बाजार में अपना नया स्मार्टफोन रेडमी 15ए 5जी लॉन्च किया है। कंपनी के अनुसार, यह डिवाइस रोजमर्रा के उपयोग को ध्यान में रखते हुए बेहतर प्रदर्शन और विश्वसनीय अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। रेडमी 15ए 5जी में 6300 एमएएच की बड़ी बैटरी दी गई है, जो एक बार चार्ज करने पर लगभग दो दिनों तक चलने में सक्षम है। इसके साथ 15 वॉट फास्ट चार्जिंग और 7.5 वॉट रिवर्स चार्जिंग का समर्थन भी मिलता है। फोन में 6.9 इंच का बड़ा डिस्प्ले और 120 हर्ट्ज़ रिफ्रेश रेट दिया गया है, जिससे उपयोग का अनुभव अधिक स्मूद होता है। 800 निट्स ब्राइटनेस के कारण स्क्रीन धूप में भी स्पष्ट दिखाई देती है। इसमें ऑक्टा-कोर 5जी प्रोसेसर, 32 मेगापिक्सल ड्यूल रियर कैमरा और 8 मेगापिक्सल फ्रंट कैमरा दिया गया है। इसकी शुरुआती कीमत 12,999 रुपये है और यह 3 अप्रैल से बिक्री के लिए उपलब्ध होगा।

भारी समर्थकों के साथ देबाशीष कुमार ने सौंपा नामांकन

हावड़ा में नामांकन के बीच मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए लगी लंबी कतारें

हावड़ा, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव के नामांकन प्रक्रिया के बीच एक हैरान करने वाली स्थिति सामने आई है। संभवतः चुनाव के इतिहास में पहली बार ऐसा देखा जा रहा है कि उम्मीदवार नामांकन दाखिल कर रहे हैं, जबकि आम लोग अभी भी मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए कतार में खड़े हैं। सोमवार को हावड़ा जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में जब उम्मीदवार अपने नामांकन पत्र जमा कर रहे थे, उसी समय कार्यालय के नीचे मतदाताओं की लंबी लाइन देखी गई। बताया जा रहा है कि एसआईआर के कारण मतदाता सूची से नाम हट जाने से नाराज लोग दोबारा नाम दर्ज कराने के लिए पहुंचे थे।

स्थानीय लोगों ने इस स्थिति पर

निराशा जताते हुए कहा कि उन्होंने पहले कभी ऐसा चुनाव नहीं देखा। कई लोगों का कहना है कि वर्ष 2002 की मतदाता सूची में उनका नाम था, लेकिन इस बार नाम हटा दिया गया है, जिससे वे काफी चिंतित हैं और यह भी स्पष्ट नहीं है कि वे मतदान कर पाएंगे या नहीं। एक व्यक्ति ने बताया, मेरी उम्र 60 साल से अधिक है। मैंने कई लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मतदान किया है, लेकिन कभी ऐसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। नाम हटने के कारण मुझे घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है।

इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए मध्य हावड़ा से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार अरूप राय ने कहा कि उन्होंने ऐसा चुनाव पहले कभी नहीं देखा। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग इस तरह की प्रक्रिया को ठीक से संभालने में विफल रहा है।

इसी दौरान अरूप राय ने अपना नामांकन पत्र भी दाखिल किया। नामांकन के समय उनकी भाजपा उम्मीदवार विप्लव मंडल से सौजन्य मुलाकात हुई, जहां दोनों नेताओं को एक-दूसरे से हाथ मिलाते देखा गया।

(एएम/एनएस) इंडिया के सीईओ दिलीप ओम्मन होंगे सेवानिवृत्त, अमित हरलाल्का संभालेंगे जिम्मेदारी

कोलकाता, समाज्ञा : आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील (एएम/एनएस) इंडिया में शीर्ष नेतृत्व स्तर पर बड़ा बदलाव होने जा रहा है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) दिलीप ओम्मन 30 जून को अपने करीब 22 वर्षों के लंबे कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त हो जाएंगे। कंपनी ने गुरुवार को इसकी आधिकारिक जानकारी दी। दिलीप ओम्मन का जुड़ाव कंपनी से उस समय से रहा है जब यह एस्सार स्टील के रूप में कार्यरत थी। उनके नेतृत्व में कंपनी ने संक्रमण के दौर में स्थिरता हासिल की और बाजार में अपनी मजबूत पहचान बनाई। सेवानिवृत्ति के बाद भी ओम्मन कंपनी से जुड़े रहेंगे और (एएम/एनएस) इंडिया के बोर्ड सदस्य के रूप में अपनी भूमिका निभाएंगे। इसके साथ ही वह आर्सेलरमित्तल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के उपाध्यक्ष का पद भी संभालेंगे।

कंपनी ने 1 जुलाई से अमित हरलाल्का को नया सीईओ नियुक्त करने का निर्णय लिया है। हरलाल्का वर्ष 2019 में कंपनी से जुड़े थे और इससे पहले आर्सेलरमित्तल समूह में मैक्सिको, जेनिका और लक्जमबर्ग जैसे अंतरराष्ट्रीय स्थानों पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। वह एक चार्टर्ड अकाउंटेंट होने के साथ ही आईआईएम बैंगलोर के पूर्व छात्र भी हैं और समूह की प्रबंधन समिति का हिस्सा हैं।

कंपनी के चेयरमैन ने ओम्मन के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में कंपनी ने स्थिरता और विश्वास अर्जित किया। वहीं, उन्होंने अमित हरलाल्का के नेतृत्व में कंपनी के निरंतर विकास को लेकर भरोसा जताया। अमित हरलाल्का ने अपनी नियुक्ति पर कहा कि उनका लक्ष्य कंपनी की विकास गति को और तेज करना तथा 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को साकार करने में योगदान देना है।

कोलकाता के हॉट सीट से तृणमूल प्रत्याशियों का नामांकन

शशि पांजा (श्यामपुकुर)

विजय उपाध्याय (जोड़ासांको)

श्रेया पाण्डेय (मानिकतला)

अरूप राय

गौतम चौधरी

राणा चटर्जी

कैलाश मिश्रा

हावड़ा में टीएमसी उम्मीदवारों ने भरे नामांकन, रैलियों में दिखा शक्ति प्रदर्शन

हावड़ा, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर हावड़ा जिले में सोमवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवारों ने जोरदार शक्ति प्रदर्शन के बीच अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। इस दौरान विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में रैलियों और समर्थकों की भारी भीड़ देखने को मिली।

बाली विधानसभा सीट से टीएमसी प्रत्याशी कैलाश मिश्रा ने अपने समर्थकों के साथ डीएम कार्यालय पहुंचकर नामांकन दाखिल किया। पहली बार चुनावी मैदान में उतरे कैलाश मिश्रा इससे पहले पार्षद रह चुके हैं। इस सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संजय सिंह को उम्मीदवार बनाया है, जिससे मुकाबला रोचक होने की उम्मीद है। मध्य हावड़ा सीट से टीएमसी उम्मीदवार अरूप राय ने भी डीएम कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन से पहले पार्टी कार्यालय से एक विशाल रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और महिला समर्थक शामिल हुए। इसी क्रम में डोमजूर विधानसभा क्षेत्र से टीएमसी उम्मीदवार तापस माइति, हावड़ा शिवपुर से डॉ. राणा चटर्जी, दक्षिण हावड़ा से नंदिता चौधरी, उत्तर हावड़ा से गौतम चौधरी और जगतबल्लवपुर से सुबीर चटर्जी ने भी अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। नामांकन के बाद कई उम्मीदवारों ने जीत का दावा करते हुए समर्थकों के बीच उत्साह जताया। दक्षिण हावड़ा की उम्मीदवार नंदिता चौधरी ने नामांकन के बाद विजय का संकेत देते हुए समर्थकों का अभिवादन किया। नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और पूरे दिन शांति व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया गया।

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/(सामान्य), पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, रिमोट कंट्रोल बिल्डिंग, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नवर्णित कार्यों के सिलसिले में निम्नलिखित ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **निविदा संख्या : ईएलईजी-ओटी-1255-2025-26, दिनांक: 02.04.2026, कार्य का विवरण:** (i) सियालदह मंडल में 7 स्थानों (एक्यूआर, बीबीटी, केबीजीबी, बीएसएचटी, पीपीजीटी, ईडीजी और जीबीजी) पर आरडीएसओ टाइप ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड को बदलना, जो उनके कोडल लाइफ को पास करेगा। (ii) आरबी द्वारा जारी एमईए के दिशा-निर्देशों और निकटवर्ती ब्लॉक स्टेशन/एनटीईएस के माध्यम से कंट्रोलिंग के अधीन सियालदह मंडल के तहत बीएआरयू, बीडीवाईपी, बीजीजेटी, डीएचके, डीकेडीपी, डीएमयू, जीआईए, जीयूआरएन, जेडीपी, केएलकेआर, केवाईपी, एनजीआरआई, एनटीए, पीएलएफ, एसजेपीआर, एसएनयू, एसएसपी, एसएसआरडी, बीजेडबी, जीएन, एचएचआर, टीएएलए, टीकेएफ, बीएलवाईजी, बीआरपीके, पीटीकेआर, डीएकेई, डीजीएनआर, एनबीई, जीजीपी, एचबीई, जेजीडीएल, केएलवाईएस, केएलवाईएम, पीटीएफ, पीएक्सआर, टीएचपी, बीएसएलए (फ्लैग) स्टेशन में ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड का प्रावधान (iii) आरबी द्वारा जारी एमईए के दिशा-निर्देशों के अनुसार सियालदह मंडल के तहत डीपीडीपी, एचटी, केएचजीआर, केडब्ल्यूडीपी, एमएके, एमजीटी, पीक्यूएस, एसबीजीआर, टीएलएक्स, बीबीडीबी, बीबीआर, बीएमजी, बीजेडआरए, डीटीके, जीएमए, एचबी, एमएसएल, बीएआरएन, एजी, बीडीजेड, एएसकेआर, बीआईजे, बीपीएन, एफएलयू, एमएजे, एमआईजे (ब्लॉक) स्टेशन में ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** रु. 2,41,96,679/-**बयाना राशि:** रु. 4,84,000/-, **समापन अवधि:** 09 माह। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** 02.04.2026, **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** 16.04.2026 को 14.00 बजे। निविदा सूचना एवं समय-समय पर जारी संशोधनी का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं।

SDAH-02/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं. 03_2026-27, दिनांक 02.04.2026 वरिष्ठ मंडल अभियंता/सी, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **वरिष्ठ डीईएन/ मुख्यालय/हावड़ा** के अधीन। **कार्य का विवरण :** मानसून से पहले अत्यावश्यकता के आधार पर हावड़ा स्टेशन प्लेटफॉर्म क्षेत्र, यार्ड क्षेत्र और कॉलोनी क्षेत्र आदि में स्थित ढके हुए एवं बिना ढके हुए ड्रेनों की सफाई का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य :** रु. 63,36,893.16, **बयाना राशि:** रु. 1,26,700/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु.0.00, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय : दिनांक 27.04.2026 को 14.00 बजे।** निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। **ईएमडी और टीडीसी का भुगतान-**ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्स्ड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-07/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

जीत की हुंकार भरते हुए टीएमसी उम्मीदवारों ने भरा नामांकन

हुगली : हुगली जिले में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां चरम पर पहुंच गई हैं। सोमवार को नामांकन के दौरान विभिन्न दलों के उम्मीदवारों ने शक्ति प्रदर्शन करते हुए अपनी जीत का दावा ठोका। खासकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिला।

बेचाराम मन्ना

तन्मय घोष

तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार तन्मय घोष (श्रीरामपुर), अरिंदम गुइन (उत्तरपाड़ा), स्वाति खांडेकर (चंडीतला), शीर्षणय बंधोपाध्याय (उत्तरपाड़ा) और स्नेहाशीष चक्रवर्ती (जंगीपाड़ा) ने श्रीरामपुर महकमा अदालत पहुंचकर नामांकन पत्र दाखिल किया। इससे पहले, सभी उम्मीदवारों ने अपने-अपने क्षेत्रों में विशाल रैली निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। इसके अलावा, उम्मीदवारों ने ऐतिहासिक जगन्नाथ मंदिर में जाकर भगवान के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया।

नामांकन के दौरान उम्मीदवारों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। अरिंदम गुइन ने आत्मविश्वास जताते हुए कहा कि इस बार मुकाबले में कोई प्रतिद्वंद्वी उनके सामने नहीं है और उनकी जीत का अंतर 50,000 वोटों से अधिक होगा। वहीं, तन्मय घोष ने कहा कि राज्य सरकार के विकास कार्यों पर जनता मुहर लगाएगी और विपक्ष के झूठे प्रचार को नकार देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ नीतियों के जरिए आम लोगों के अधिकारों के साथ अन्याय हुआ है, जिसका जवाब जनता मतदान के माध्यम से देगी। इसी क्रम में शीर्षणय बंधोपाध्याय ने भी दावा किया कि उत्तरपाड़ा क्षेत्र की जनता उनके साथ है और वे भारी मतों से जीत दर्ज करेंगे।

दूसरी ओर, सिंगूर विधानसभा क्षेत्र से टीएमसी उम्मीदवार बेचाराम मन्ना ने चंदननगर महकमा अदालत में अपना नामांकन दाखिल किया। उनके समर्थकों ने भी रैली के माध्यम से शक्ति प्रदर्शन किया।

भाजपा ने भी अपनी दावेदारी मजबूत करते हुए मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। सप्तग्राम विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार स्वराज घोष ने जोश और उत्साह के साथ नामांकन दाखिल किया। उन्होंने दावा किया कि इस बार क्षेत्र में परिवर्तन तय है और कमल खिलना निश्चित है।

नामांकन प्रक्रिया के दौरान पूरे जिले में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। प्रशासन की निगरानी में सभी प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से पूरी हुई। अब सभी की निगाहें आगामी मतदान और उसके परिणामों पर टिकी हैं, जो तय करेगा कि हुगली की जनता अपना जनादेश किसके पक्ष में देती है।

मध्य हावड़ा केंद्र से वामफ्रंट मनोनीत सीपीआईएम प्रार्थी कामरेड इम्तियाज अहमद नामांकन पत्र जमा देते हुए साथ में भूतपूर्व विधायक अरूप राय एवं जिला कमेटी सदस्य शैलेन्द्र कुमार राय

हावड़ा में नामांकन के दौरान झड़प, टीएमसी-बाम समर्थक आमने-सामने

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा जिले में विधानसभा चुनाव को लेकर सोमवार को नामांकन प्रक्रिया के दौरान राजनीतिक तनाव चरम पर पहुंच गया। आरोप है कि सीपीएम समर्थकों ने तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हमला किया और उन्हें भद्दे-भद्दे नारे सुनाए। यहां तक कि महिला टीएमसी समर्थकों को भी धक्का देने की शिकायतें सामने आई हैं।

हावड़ा जिला अधिकारी कार्यालय के सामने बाम समर्थकों की रैली को पुलिस ने रोक दिया। लेकिन डीएम कार्यालय के सामने बाम समर्थकों ने टीएमसी कार्यकर्ताओं के खिलाफ चोर, चोर के नारे लगाए। इसके बाद स्थिति और गंभीर हो गई। आरोप है कि बाम समर्थकों ने ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के नाम लेकर अपशब्द भी कहे।

डोमजूर से टीएमसी प्रत्याशी तापस माइति की समर्थक पूर्णिमा आईच ने बताया, सीपीएम के लोग हमें चोर-चोर कहकर नारे लगा रहे थे। जब हम विरोध करने गए, तो वे हम पर टूट पड़े और धक्का देकर हमें हटाया। बांकड़ा के 2 नंबर ग्राम पंचायत के टीएमसी सदस्य शेख अब्दुल सलाम ने कहा, हमारे आने पर उन्होंने अनावश्यक नारे शुरू कर दिए। ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के नाम लेकर नारे लगाए। जैसे ही हम आगे बढ़े, वे हम पर चढ़ आए। दोनों पक्षों के बीच हुई बहस और संघर्ष ने जिला अधिकारी कार्यालय के सामने माहौल को और तनावपूर्ण बना दिया। पुलिस की मौजूदगी के बावजूद हाथापाई और झड़पें देखने को मिलीं। हालांकि, हावड़ा सिटी पुलिस का कहना है कि नामांकन प्रक्रिया बिना किसी बाधा के संपन्न हुई। नामांकन केंद्र के अंदर 5 से अधिक लोगों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई थी। अब सभी की निगाहें आगामी मतदान और उसके परिणामों पर टिकी हैं, जो तय करेगा कि हावड़ा की जनता अपना जनादेश किसके पक्ष में देती है।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

बोली संख्या एवं तारीख: जीईएम/2026/बी/7387837, दिनांक 03.04.2026; भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (उत्पादन)/खड़गपुर वर्कशॉप, दक्षिण पूर्व रेलवे, खड़गपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का विवरण:** खुली निविदा के आधार पर डब्ल्यूबीपीसीबी/सीपीसीबी/अन्य राज्य पीसीबी के अधिकृत विक्रेता के माध्यम से 03 (तीन) वर्षों के लिए खड़गपुर वर्कशॉप, दक्षिण पूर्व रेलवे के सम्पूर्ण मुख्य वर्कशॉप एवं वैगन शॉप के लिए हानिकारक अपशिष्ट (निर्गमित ग्रीज, ईटीपी गाद एवं पेंट अपशिष्ट) का निपटान। **18% की दर से जीएसटी सहित कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 72,42,368। **बयाना राशि:** रु. 1,44,850; **बोली बंद होने की तारीख एवं समय:** 24.04.2026 को 12.00 बजे। **बोली खोली जाएंगी:** दिनांक 24.04.2026 को दोपहर 12.30 बजे। **वेबसाइट का विवरण:** जीईएम पोर्टल (वेबसाइट **https://gem.gov.in**)। निविदाओं के सम्पूर्ण विवरण/ब्यौरा/विनिर्देश के लिए इच्छुक बोलीदाता/निविदादाता जीईएम पोर्टल (वेबसाइट **https://gem.gov.in**) देख सकते हैं एवं अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा करें। किसी भी परिस्थिति में इस कार्य के लिए मैनुअल निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। **(PR-23)**

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: बीएमएफ-03-10-5एक्सिस-सीएएमसी, दिनांक 02.04.2026, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, बोगी मैन्यूफैक्चरिंग फैक्टरी, पूर्व रेलवे, 88/1, अधर दास रोड, बजबज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700137 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए **निविदा सं. बीएमएफ-03-10-5एक्सिस-सीएएमसी** के प्रतिपक्ष ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैन्यूअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं ऐसा कोई मैन्यूअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** ओईएम/ओईएम के अधिकृत डीलर के साथ एकल निविदा के आधार पर बोगी मैन्यूफैक्चरिंग फैक्टरी, बजबज के 5 एक्सिस सीएनसी मशीनिंग सेंटर (प्रस्तुतकारक टीओएस केयूआरआईएम, मॉडल नं. एफआरएफक्यू 400 बीआर-ए12) के लिए सीएएमसी। **बोली प्रणाली:** एकल पैकेट प्रणाली। **विज्ञापित मूल्य :** रु. 9,69,68,270/-, **बयाना राशि:** रु. 19,39,400/-, **निविदा कागजात का मूल्य :** रु.0.00, **समापन अवधि:** 60 माह। **प्रस्ताव की वैधता:** 120 दिन। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय :** 02.04.2026 को 13.39 बजे। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** 10.04.2026, **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** 24.04.2026 को 11.00 बजे। विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में उपलब्ध है।

MISC-06/2026-27

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

अनारक्षित टिकटें जारी करने के लिए हावड़ा मंडल के तहत स्टेशनों में एटीवीएम फैसिलिटेटरों की नियुक्ति

आवेदन सूचना सं.: सीओएम/सीएफ/एटीवीएम-एफएसी/एचडब्ल्यूएच/26/1 दिनांक 06.04.2026. वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, हावड़ा मंडल द्वारा हावड़ा मंडल के तहत स्टेशनों में स्थापित ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनों (एटीवीएम) के माध्यम से अनारक्षित टिकटें जारी करने के लिए फैसिलिटेटरों की नियुक्ति के लिए सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों तथा जनसाधारण से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं: (1) सर्वप्रथम सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी के जीवनसाथी/संतान से चयन किए जाएंगे। फैसिलिटेटर की नियुक्ति के लिए प्राथमिकता का क्रम निम्नलिखित है: (i) सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी, (ii) सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी के जीवनसाथी/वयस्क संतान (एक सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी के लिए उनके द्वारा मनोनित सिर्फ एक व्यक्ति)। सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी के जीवनसाथी/संतान के उपलब्ध नहीं रहने पर जनसाधारण से प्राप्त आवेदन पर विचार किया जाएगा। (2) यदि आवश्यकता के तहत अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं, **तो लॉटों के ड्रा के माध्यम से चयन किया जाएगा।** (3) एटीवीएम फैसिलिटेटर का कार्यकाल **दिनांक 31.03.2028** तक होगा। (4) रेलवे द्वारा किसी भी तरह के पारिश्रमिक का भुगतान नहीं किया जाएगा। लागू नियमों के अनुसार फैसिलिटेटर बिक्री की गई टिकटों के मूल्य पर 3% कमिशन पाने के पात्र होंगे। (5) **आवेदक सिर्फ एक स्टेशन के लिए आवेदन कर सकते हैं।** (6) फैसिलिटेटर के रूप में अगर जनसाधारण की नियुक्ति की जाती है, तो कार्य आरम्भ करने से पहले उन्हें वापसयोग्य सुरक्षा राशि के रूप में स्टेशनों की एनएसजी-1 एवं एनएसजी-2 श्रेणी के लिए रु. 50,000 तथा अन्य स्टेशनों के लिए रु. 25,000 की रकम जमा करनी होगी। (7) एटीवीएम फैसिलिटेटर की नियुक्ति रेलवे के अंदर किसी भी तरह की नौकरी का अधिकार प्रदान नहीं करता है। नियुक्ति सम्पूर्ण रूप से अनुबंध पर आधारित है एवं फैसिलिटेटर रेलवे की नौकरी में शामिल होने, रोजगार का नियमितीकरण, बोनस अथवा रेलवे पास की सुविधा इत्यादि जैसे लाभ पाने के हकदार नहीं होंगे। (8) नियुक्ति की साधारण शर्तें, प्रत्येक स्टेशन में नियुक्त किए जाने वाले फैसिलिटेटरों की संख्या, आवेदन प्रपत्र, पात्रता के मानदंड, कार्यकाल, चयन की प्रक्रिया तथा कार्यप्रणाली इत्यादि निविदा प्रपत्र में उपलब्ध होंगे तथा उसे वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in** के 'Tender' टैब से डाउनलोड किया जा सकता है तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक का कार्यालय, पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग (पहली मंजिल), रेल म्यूजियम के निकट, हावड़ा-711101 से प्राप्त किया जा सकता है। (9) मुहरबंद लिफाफे सीनि. डीसीएम का कार्यालय, हावड़ा में इस उद्देश्य के लिए रखी गई पेटी में डाले जाने चाहिए। **डाक के माध्यम से प्राप्त आवेदन तत्काल रद्द कर दिए जाएंगे।** (10) **महत्वपूर्ण तिथियां:** वेबसाइट पर आवेदन प्रपत्र का प्रकाशन तथा डाउनलोड शुरू होने की तारीख 06.04.2026 को 19.00 बजे से है। सीनि. डीसीएम, हावड़ा के कार्यालय से आवेदन प्रपत्र की उपलब्धता एवं आवेदन प्रपत्र जमा की तारीख **07.04.2026 को 11.00 बजे** से। **आवेदन प्रपत्र जमा करने की अंतिम तारीख एवं समय: 27.04.2026 को 12.00 बजे। आवेदन प्रपत्र खोला जाएगा:** दिनांक 27.04.2026 को 12.40 बजे खोले जाएंगे।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हावड़ा

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

वोटर सूची से नाम कटने पर युवक की मौत, नलहाटी में आक्रोश

- **ग्रामीणों ने किया मतदान बहिष्कार का ऐलान**
- **दस्तावेज जमा करने के बाद भी नाम हटने का आरोप, परिवार ने कहा-मानसिक दबाव में उठाया कदम**

बीरभूम : पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटने को लेकर विवाद के बीच बीरभूम जिले के नलहाटी से एक दुखद घटना सामने आई है। यहां एक युवक की मौत के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया है। परिवार का आरोप है कि वोटर सूची से नाम हटने के कारण मानसिक दबाव में आकर युवक ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली।

मृतक की पहचान 32 वर्षीय आनारुल शेख के रूप में हुई है, जो नलहाटी नगरपालिका के वार्ड संख्या 13 का निवासी था।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आनारुल शेख का नाम पहले मतदाता सूची में विचाराधीन (अंडर कंसिडरेशन) श्रेणी में था। नोटिस मिलने के बाद उन्होंने चुनाव आयोग के निर्देशानुसार सभी जरूरी दस्तावेज जमा किए और अपील करने के लिए रामपुरहाट उपखंड कार्यालय भी पहुंचे।

परिवार के आरोप के मुताबिक, वहां दस्तावेज जमा करने में समस्या आने के कारण वह मानसिक रूप से काफी दबाव में आ गए थे। घर लौटने के बाद उन्होंने कथित तौर पर विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। परिजन उन्हें तुरंत नलहाटी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से डॉक्टरों ने उन्हें दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

इस घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (डखठ) के नाम पर बिना उचित जांच के लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो वे आगामी चुनाव का बहिष्कार करेंगे।

गौरतलब है कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में मतदाता सूची से नाम हटने को लेकर लगातार विरोध और विवाद सामने आ रहे हैं, जिससे चुनाव से पहले माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है।

हावड़ा-गुवाहाटी और सियालदह-गुवाहाटी के बीच चलेगी दो बिना आरक्षित स्पेशल ट्रेनें

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय रेलवे ने हावड़ा-गुवाहाटी और सियालदाह-गुवाहाटी के बीच दो बिना आरक्षित विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। इसके तहत, हावड़ा से गुवाहाटी जाने वाली 03053 बिना आरक्षित विशेष ट्रेन 07 अप्रैल को रात 8 बजे हावड़ा स्टेशन से रवाना होगी। वहीं, गुवाहाटी से हावड़ा लौटने वाली 03054 बिना आरक्षित विशेष ट्रेन 08 अप्रैल को शाम 7 बजे गुवाहाटी से चलेगी। इसी तरह, सियालदह से गुवाहाटी जाने वाली 03167 बिना आरक्षित विशेष ट्रेन 07 अप्रैल को सुबह 10:40 बजे सियालदह स्टेशन से रवाना होगी और गुवाहाटी से सियालदह लौटने वाली 03168 बिना आरक्षित विशेष ट्रेन 08 अप्रैल को सुबह 11 बजे गुवाहाटी से चलेगी।

हावड़ा में जन्मदिन पार्टी के दौरान दो गुटों में भिड़ंत, दो गिरफ्तार

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा जिले के लिलुआ थाना क्षेत्र के डागा बागान इलाके में रविवार रात जन्मदिन की पार्टी के दौरान दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिससे इलाके में तनाव फैल गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए केंद्रीय बल के जवानों को भी तैनात किया गया। जानकारी के अनुसार, एक युवक के जन्मदिन पर सड़क पर ही पार्टी का आयोजन किया गया था। पार्टी कर रहे युवकों ने बांस लगाकर सड़क पर बैरिकेड बना दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया। इसी दौरान तेज आवाज में गाने बजाए जा रहे थे। इसी बीच, कुछ अन्य युवक वहां पहुंचे और बैरिकेड हटाते हुए विरोध जताया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी मारपीट में बदल गई। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवक तलवार के साथ नजर आ रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। महिलाओं के साथ बदसलूकी के आरोप भी सामने आए हैं। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है। बताया जा रहा है कि एक गुट डोमजूर के वर्तमान विधायक कल्याण घोष का समर्थक है, जबकि दूसरा गुट डोमजूर विधानसभा सीट से टिकट पाने वाले तृणमूल प्रत्याशी तापस माइती का समर्थक है। इलाके में, फिलहाल पुलिस पिकेटिंग की गई है और केंद्रीय बल के जवान रूट मार्च कर रहे हैं।

मोथाबाड़ी कांड में 'मास्टरमाइंड' बताए गए वकील मोफक्कारुल इस्लाम निलंबित

कोलकाता हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की जनरल बॉडी बैठक में फैसला; बार काउंसिल में अभी कार्रवाई बाकी

कोलकाता : मोथाबाड़ी कांड को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए कोलकाता हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने आरोपी वकील मोफक्कारुल इस्लाम को निलंबित कर दिया है। यह निर्णय सोमवार को आयोजित जनरल बॉडी की बैठक में लिया गया।

बैठक में संगठन ने मोथाबाड़ी की घटना को निंदनीय बताते हुए कहा कि मामले में मुख्य आरोपी होने के कारण मोफक्कारुल इस्लाम के खिलाफ यह अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है।

वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल बार काउंसिल ने अभी तक उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया है। काउंसिल के एक सदस्य के अनुसार, फिलहाल संगठन एक हाई-पावर कमेटी के अधीन काम कर रहा है, जिसकी अगुवाई सेवानिवृत्त न्यायाधीश असीम कुमार राय कर रहे हैं।

बार काउंसिल के नियमों के मुताबिक, किसी भी वकील के खिलाफ कार्रवाई करने से पहले लिखित शिकायत का दाखिल होना जरूरी होता है। इसके बाद एक जांच समिति गठित की जाती है, जिसमें शिकायतकर्ता और आरोपी-दोनों पक्षों को सुनवाई का अवसर दिया जाता है। दोनों पक्षों की दलीलों की समीक्षा के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाता है।

इस बीच, बार एसोसिएशन की कार्रवाई के बाद कानूनी हलकों में इस मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है और आगे बार काउंसिल के कदम पर सबकी नजरें टिकी हैं।

आत्महत्या के प्रयास के कारण कोलकाता मेट्रो की ब्लू लाइन सेवा बाधित

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता मेट्रो के एमजी रोड स्टेशन पर सोमवार को 35-वर्षीय एक व्यक्ति द्वारा आत्महत्या का प्रयास किए जाने के बाद ब्लू लाइन सेवा आधे घंटे तक बाधित रही। मेट्रो रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह घटना सुबह 11:35 बजे हुई और ट्रेन के आगे कूदने वाले व्यक्ति को वहां मौजूद सतर्क कर्मचारियों ने तुरंत बचा लिया। इस घटना की वजह से दक्षिणेश्वर स्टेशन से शहीद खुदीराम स्टेशन के बीच पूरी ब्लू लाइन पर मेट्रो सेवा आधा घंटे तक बाधित रही। प्रवक्ता ने बताया कि दोपहर 12:05 बजे सामान्य सेवा फिर से शुरू हो गई। अधिकारियों ने बताया कि आत्महत्या का प्रयास करने वाले व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया गया।

वाराणसी गौशाला में कुत्ते द्वारा शव को नोंचने का वीडियो सामने आने के बाद कार्रवाई के आदेश

वाराणसी (उप्र): वाराणसी के सारनाथ थाना क्षेत्र में स्थित नगर निगम की एक गौशाला में एक कुत्ते द्वारा गौवंश के शव को नोंचने का वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए गए। घटना का गंभीर संज्ञान लेते हुए नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने और गौशाला में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का निर्देश दिया। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि यह घटना सारनाथ थाना क्षेत्र के अंतर्गत एढे गांव स्थित एक गौशाला में हुई। उन्होंने वीडियो को ''दुर्भाग्यपूर्ण'' बताया और कहा कि गौशाला में किसी अन्य गोवंश से लड़ाई के बाद उसकी मौत हो गई। श्रीवास्तव ने बताया कि एक कुत्ता गेट से परिसर में दाखिल हो गया और शव को नोंचता हुआ देखा गया। उन्होंने कहा कि मामला सामने आने के बाद, नगर आयुक्त ने जिम्मेदार कर्मचारियों को दंडित करने और गौशाला में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने सहित सख्त कार्रवाई के आदेश दिए।

बलिया में नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के दोषी को 25 वर्ष कारावास की सजा

बलिया (उप्र): बलिया की एक विशेष अदालत ने हाई स्कूल की नाबालिग छात्रा को कथित रुप से अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को दोषी करार देते हुए सोमवार को 25 वर्ष कारावास की सजा सुनाई और जुर्माना भी लगाया। एक अभियोजन अधिकारी ने यह जानकारी दी। अभियोजन अधिकारी विमल कुमार राय ने बताया कि पोक्सो अधिनियम अदालत के विशेष न्यायाधीश प्रथमकांत ने सोमवार को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी समादान को दोषी करार देते हुए 25 साल कारावास और 35 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। अभियोजन अधिकारी ने बताया कि जिले की पकड़ी थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली हाई स्कूल की छात्रा (16) को पकड़ी गांव के समादन नामक युवक ने पिछले वर्ष 25 सितंबर को अगवा कर लिया तथा उसके साथ दुष्कर्म किया। राय ने बताया कि इस मामले में किशोरी के पिता ने समादन के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण (पोक्सो अधिनियम) की सुसंगत धारा में नामजद मुकदमा दर्ज किया गया।

भाजपा का विकास सत्ता में नहीं, विचारधारा में निहित: योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर (उप्र): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में स्थित हिंदू सेवाश्रम भवन में भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर पार्टी का ध्वज फहराते हुए कहा कि भाजपा की विकास यात्रा की कहानी 'सत्ता नहीं, बल्कि विचारधारा' में निहित है। समारोह के बाद मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए पदाधिकारियों के साथ सेल्फी के लिए उपस्थित हुए। योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा की विकास यात्रा सत्ता के बारे में नहीं है, बल्कि विचारधारा के बारे में है, और यह 'अंत्योदय से राष्ट्रोदय' के संकल्प को दर्शाती है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 'दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी' बताते हुए उन्होंने कहा कि यह महज एक राजनीतिक संगठन नहीं है, बल्कि एक जीवंत वैचारिक परंपरा है जो नेताओं के जीवन मूल्यों से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से प्रेरित राष्ट्रवादी परिवार आज एक विशाल वट वृक्ष बन गया है, जो सेवा, मूल्यों और समर्पण के प्रति प्रतिबद्धता के साथ 145 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को सशक्त बना रहा है। योगी आदित्यानथ ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता के समर्पण, निरंतरता और निस्वार्थता ने 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को गति दी है। उन्होंने कहा, 'राष्ट्र निर्माण की इस यात्रा में भाग लेने वाले सभी गणमान्य व्यक्तियों को बधाई।' बाद में भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस पर मानसरोवर रामलीला मैदान में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा,'भाजपा कार्यकर्ताओं में समाज व देश के लिए जीने की भावना जनसंघ काल से चली आ रही है। उनका जीवन राष्ट्र प्रथम के भाव और इसकी संकल्प सिद्धि के लिए ही समर्पित रहता है। अपने संस्थापकों के सिद्धांतों, मूल्यों व आदर्शों पर चलते हुए कार्यकर्ताओं के समर्पण भाव से ही आज भाजपा देश ही नहीं, दुनिया की सबसे बड़ी राजनीति पार्टी के रूप में प्रतिष्ठित हुई है।'

पत्रकारिता के विभिन्न आयामों में समन्वय आवश्यक: योगी आदित्यनाथ

योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि पत्रकारिता के विभिन्न आयामों प्रिंट, विजुअल, डिजिटल व सोशल मीडिया के बीच परस्पर समन्वय होना आवश्यक है। योगी आदित्यनाथ सोमवार को गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'पत्रकारिता के विभिन्न आयामों प्रिंट, विजुअल, डिजिटल व सोशल मीडिया के बीच परस्पर समन्वय होना आवश्यक है। यदि किसी एक ही तथ्य को मीडिया के अलग-अलग आयाम भिन्न-भिन्न तरीके व दृष्टिकोण से प्रस्तुत करेंगे तो आम जन-मानस के सामने भ्रम की स्थिति उत्पन्न होगी।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'ऐसी स्थिति मीडिया के प्रति जन-विश्वास को भी प्रभावित करेगी। इसलिए यह आवश्यक है कि मीडिया के सभी अंग समान मानक, मूल्यों व आदर्शों के अनुरूप आगे बढ़ें।'

उप्र में 27 करोड़ रुपये से अधिक की जीएसटी धोखाधड़ी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़, तीन लोग गिरफ्तार

मेरठ/बहराइच (उप्र): उत्तर प्रदेश के मेरठ और बहराइच जिलों में कई करोड़ रुपये के दो अलग-अलग जीएसटी धोखाधड़ी मामले में शामिल गिरोह का पर्दाफाश करके तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि धोखाधड़ी की रकम 27 करोड़ रुपये से अधिक है। मेरठ में गिरफ्तार आरोपी वसीम अकरम उर्फ मोनू (38) ने फर्जी कंपनियों के जरिए फर्जी चालान बनाकर 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' (आईटीसी) जमा किया था, जिससे सरकार को करीब 17 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हुआ। पुलिस ने बताया कि मोनू ने फर्जी कंपनियों के जरिए फर्जी चालान बनाकर कर चोरी की थी। जांच में पता चला कि गाजियाबाद निवासी मोनू फर्जी आधार और पैन कार्ड का इस्तेमाल करके कंपनियां स्थापित करने और फर्जी माल एवं सेवा कर (जीएसटी) रिटर्न दाखिल करके कर चोरी करने वाले गिरोह का हिस्सा था। इसके अलावा, उन्होंने 'ई-वे' बिलों में हेराफेरी करके भी कर चोरी की।

बिहार में 'अच्छी खबर' की प्रतीक्षा में भाजपा: रविशंकर प्रसाद

पटना: भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को कहा कि पार्टी बिहार में 'अच्छी खबर' की प्रतीक्षा कर रही है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब जनता दल यूनाइटेड (जदयू) प्रमुख और सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। कुमार ने पिछले सप्ताह राज्य विधान परिषद की सदस्यता छोड़ दी थी और अगले कुछ दिनों में सांसद के रूप में उनके शपथ लेने की संभावना है। पटना साहिब से लोकसभा सदस्य प्रसाद ने यह टिप्पणी भाजपा के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में की। भाजपा की युवा इकाई से 1980 के दशक में राजनीति शुरू करने वाले प्रसाद ने कहा, ''1984 के लोकसभा चुनाव में हम केवल दो सीटें जीत सके थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम लगातार मजबूत हुए हैं। हम बिहार में भी अच्छी खबर की उम्मीद कर रहे हैं।' राजनीतिक हलकों में अटकलें लगाई जा रही हैं कि 75 वर्षीय नीतीश कुमार अगले सप्ताह तक सत्ता की कमान छोड़ सकते हैं और पिछले वर्ष नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी भाजपा को अंततः बिहार में अपना मुख्यमंत्री मिल सकता है। हिंदी भाषी राज्यों में बिहार ही एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां भाजपा अब तक सरकार का नेतृत्व नहीं कर पाई है।

चंदौली जिले का एक गांव बायोगैस से आत्मनिर्भर बना, 125 से अधिक घरों की रसोईघरों को आपूर्ति

चंदौली (उप्र): पश्चिम एशिया में जारी युद्ध की वजह से खाना पकाने वाली गैस समेत ईंधन की चुनौतियों के बीच चंदौली जिले का एक गांव बायोगैस से आत्मनिर्भर बन गया है। यहां 125 से अधिक घरों के रसोईघर एलपीजी की लगभग आधी कीमत पर चल रहे हैं। वाराणसी के पास चंदौली जिले के अलीनगर क्षेत्र के नियमातबाद ब्लॉक के एकौनी गांव में स्थित इस पहल ने अपनी किफायती लागत और पर्यावरणीय लाभों के कारण ध्यान आकर्षित किया है। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने वाली पुणे की कंपनी के सहयोग से स्थापित बायोगैस संयंत्र, लगभग 500-600 लोगों की आबादी वाले इस गांव के लगभग

125 परिवारों को गैस की आपूर्ति करता है। वाराणसी जिले के रामनगर से तीन किमी की दूरी पर स्थित इस गांव के निवासी नागेन्द्र प्रताप सिंह पेशे से किसान हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 1995 से उनकी गौशाला है, जिसमें करीब 200 गायें हैं। उन्होंने बताया कि बीटेक की पढ़ाई कर चुका उनका बेटा चन्द्रप्रकाश सिंह ने इस समस्या से निजात के लिए अनुसंधान किया और उसे पुणे की कंपनी का साथ मिला। इस कंपनी की मदद से उसने 2016 में अपनी गौशाला का उन्नयन किया, उसने इसे प्रौद्योगिकी के साथ जोड़ा। चन्द्रप्रकाश ने बताया कि कंपनी ने ही उनके यहां बायो गैस संयंत्र स्थापित किया, इस पर 85 लाख रुपये का खर्च आया। उन्होंने बताया कि कंपनी ने ही संयंत्र के लिए वित्त पोषण किया और तबसे यह संयंत्र निरंतर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन सुबह व शाम ढाई-ढाई घंटे बायो गैस की आपूर्ति दी जाती है। यह बायो गैस एलपीजी की तुलना में आधे दाम में पड़ रही है। पूरे महीने प्रयोग करने पर अधिकतम 400 रुपये का भुगतान करना पड़ता है।

किसान को पड़ोसी ने मारी गोली, हालत गंभीर

नोएडा(उप्र): गौतमबुद्ध नगर जिले के दनकौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत अट्टा फतेहपुर गांव में एक किसान को उसके पड़ोसी द्वारा गोली मारने का मामला सामने आया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गोली पीड़ित के जबड़े में फंस गई है और उसे अत्यंत गंभीर हालत में उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। दनकौर थाना के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अट्टा फतेहपुर गांव निवासी कासिम(48) को सोमवार शाम पड़ोस में ही रहने वाले कायदे आजम नामक व्यक्ति ने गोली मार दी। सिंह ने बताया गोली कासिम के जबड़े में जाकर फंस गई और उसे उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

न्यूज अपडेट

जयपुर में जापानी पर्यटक से छेड़छाड़, पुलिस जांच में जुटी

जयपुर: जयपुर के आमेर इलाके में जापान की एक महिला पर्यटक से कथित तौर पर छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि वह पूरे प्रकरण की जांच कर रही और आरोपियों की पहचान की कोशिश की जा रही है। पुलिस के मुताबिक कथित घटना रविवार सुबह उस समय हुई जब महिला जयगढ़ किले घूमने गई थी और पास के मंदिर की ओर पैदल जा रही थी। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) सुरेंद्र सिंह ने बताया कि महिला पर्यटक दो-तीन दिन पहले ही जापान से राजस्थान आई थी और किले के पास स्थित गणेश मंदिर की ओर जा रही थी। उन्होंने कहा, ''पांच लोगों ने सुनसान इलाके में उसे रोक लिया और उसके साथ बदतमीजी व छेड़छाड़ करने लगे।'' अधिकारी ने बताया कि महिला ने शोर मचाया और वहां से भाग निकलने में कामयाब रही, वह दौड़कर पास में मौजूद सुरक्षा गार्ड के पास पहुंची। महिला को परेशान हालत में देखकर गार्ड ने तुरंत पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पुलिस की टीम फौरन मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि जैसे ही महिला ने मदद के लिए शोर मचाया और गार्ड वहां पहुंचा तो आरोपी भाग निकले। पुलिस ने बताया कि इलाके के सीसीटीवी फुटेज में पांच लोग संदिग्ध तरीके से पहाड़ी से नीचे उतरते दिखाई दे रहे हैं और उनकी पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

राजस्थान : तेज रफ्तार एसयूवी ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, दो चचेरे भाइयों की मौत

जयपुर: राजस्थान के सीकर-उदयपुरवाटी मार्ग पर सोमवार को एक तेज रफ्तार एसयूवी ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे मोटरसाइकिल सवार दो चचेरे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल, एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) के नीचे फंस गई और दोनों वाहन आग की चपेट में आ गए। इससे सड़क के दोनों ओर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान रामचंद्र गोस्वामी (39) और मुकेश गोस्वामी (30) के रूप में हुई है। दोनों लक्ष्मीपुरा के पुरोहित का बास गांव के निवासी थे।

समाजवादी सरकार बनने जा रही, इसलिए भाजपाई घबराये हुए हैं: अखिलेश यादव

कन्नौज (उप्र): समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को दावा किया कि अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी सरकार बनने जा रही है, इसलिए 'भाजपाई' घबराये हुए हैं। यादव ने सोमवार को यहां एक कार्यक्रम से संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि 'संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण बचाने की जिम्मेदारी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की है।' उन्होंने कहा, 'बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का संविधान, डॉ. राममनोहर लोहिया के सिद्धांत और नेताजी मुलायम सिंह यादव के संघर्ष के रास्ते पर समाजवादी पार्टी चल रही है।' यादव ने कहा कि समाजवादी अन्याय के विरूद्ध डटकर मुकाबला करते हैं। संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए समाजवादी और पीडीए मिलकर लड़ेगा।' लखनऊ में सपा के राज्य मुख्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि हम चाहते है जल्दी से जल्दी युद्ध खत्म हो। हम समाजवादी लोग युद्ध के खिलाफ रहे हैं। युद्ध खत्म होगा तो हमारी अर्थव्यवस्था जो खराब हो रही है वह सुधरेगी।

बिहार का अगले पांच साल में 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश, एक करोड़ रोजगार सृजन का लक्ष्य: मंत्री

पटना: बिहार के उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने सोमवार को कहा कि राज्य का औद्योगिक विकास तेजी से आगे बढ़ रहा है और सरकार अगले पांच साल में 50 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित कर एक करोड़ रोजगार सृजित करने के लक्ष्य पर काम कर रही है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने वित्त वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में उद्योग- अनुकूल माहौल बनाया गया है, जिससे बिहार पूर्वी भारत के उभरते विकास केंद्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर उद्योग विभाग के सचिव सह प्रबंध निदेशक (बियाडा एवं आईडीए) कुंदन कुमार भी मौजूद थे। मंत्री ने बताया कि 'सात निश्चय-3 (2025-2030)' के तहत 'समृद्ध उद्योग-सशक्त बिहार' को प्राथमिकता देते हुए कई नई नीतियां लागू की गई हैं।

व्रत - त्यौहार

07.04.2026 : गुरु तेग बहादुर जयंती

10.04.2026 : शीतलाष्टमी व्रत

13.04.2026 : श्री बल्लभाचार्य जयंती

वैशाख मास में दान का विशेष महत्व

धर्मग्रंथों में वैशाख मास को अत्यंत पवित्र, पुण्यदायी और देव आराधना के लिए श्रेष्ठ समय माना गया है। यह मास दान, तप, जप और सत्कर्मों का विशेष फल देने वाला बताया गया है। इसकी तुलना एक स्नेहमयी माता से की गई है, जो अपने सभी संतानों की इच्छाओं को पूर्ण करती है। वैशाख मास धर्म, यज्ञ, तपस्या और शुभ क्रियाओं का सार माना गया है और समस्त देवताओं द्वारा पूजनीय है। विशेष रूप से भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए यह मास अत्यंत प्रभावी माना गया है।

1. वैशाख मास का महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार यह मास आत्मशुद्धि और पुण्य संचय का श्रेष्ठ अवसर प्रदान करता है। इसमें किए गए छोटे-छोटे सत्कर्म और दान भी विशेष फलदायी होते हैं।

2. विष्णु भक्ति के लिए श्रेष्ठ समय

यह मास भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है। इस दौरान उनकी आराधना करने से विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है।

3. तीर्थों का जल में वास

शास्त्रों के अनुसार वैशाख मास में समस्त तीर्थ और देवता जल में निवास करते हैं। सूर्योदय से लेकर निश्चित समय तक जल में स्नान और सेवा करने से तीर्थों का फल प्राप्त होता है।

4. जल दान का सर्वोच्च स्थान

स्कंद पुराण के अनुसार इस मास में जल दान को सभी दानों में श्रेष्ठ बताया गया है। प्यासे और जरूरतमंद लोगों को शीतल जल पिलाने से महान यज्ञों के समान पुण्य प्राप्त होता है और त्रिदेव की कृपा मिलती है।

5. प्याऊ स्थापना का महत्व

वैशाख में राहगीरों के लिए प्याऊ लगवाना अत्यंत पुण्यकारी कार्य माना गया है। इससे न केवल लोगों की प्यास बुझती है, बल्कि देवता, पितर और ऋषि-मुनि भी प्रसन्न होते हैं।

6. पंखा दान का पुण्य

गर्मी से पीड़ित लोगों को शीतलता प्रदान करना भी बड़ा पुण्य माना गया है। पंखा दान करने या किसी को हवा करने से व्यक्ति पापों से मुक्त होकर भगवान के समीप स्थान प्राप्त करता है।

7. अन्नदान की महिमा

अन्नदान को सभी दानों में श्रेष्ठ कहा गया है। भूखे व्यक्ति या अतिथि को भोजन कराने से तुरंत पुण्य की प्राप्ति होती है और जीवन में संतोष का अनुभव होता है।

8. पादुका और चटाई दान

जरूरतमंद लोगों को जूते-चप्पल या चटाई दान करने से कष्टों से मुक्ति मिलती है। यह दान व्यक्ति को परलोक में भी शुभ फल प्रदान करता है।

9. वस्त्र, फल और शर्बत का दान

गर्मी के समय वस्त्र, फल और शीतल पेय पदार्थों का दान करना विशेष फलदायी माना गया है। इससे पितृ प्रसन्न होते हैं और जीवन के पापों का क्षय होता है।

10. दही, चावल और घी का दान

दही, खांड और चावल का दान करने से दीर्घायु और यज्ञों के समान फल मिलता है। वहीं घी का दान अश्वमेध यज्ञ के बराबर फल देकर विष्णुलोक की प्राप्ति कराता है, ऐसा शास्त्रों में कहा गया है।

वैशाख माह की संकष्टी चतुर्थी पर जरूर पढ़ें यह कथा, मिलेगा गणेशजी का आशीर्वाद

आज वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि है। वैशाख महीने के कृष्ण पक्ष में पड़ने वाली विकट संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान गणेश के वक्रतुंड स्वरूप की पूजा की जाती है। इस व्रत को एक पवित्र व्रत माना जाता है जो दुखों को दूर करता है। इस दिन चंद्रमा को अर्घ्य देने और व्रत का पारण करने की परंपरा है। एक विशेष मान्यता यह भी है कि इस अवसर पर कमल के पत्तों से बना हलवा भोग के रूप में चढ़ाया जाता है। इस व्रत से जुड़ी दो महत्वपूर्ण पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। आइए इसी क्रम में यहां पढ़ें संकष्टी चतुर्थी की वत कथाएं।

संकष्टी चतुर्थी व्रत कथा- 1

संकष्टी चतुर्थी से जुड़ी पौराणिक कथा के अनुसार, प्राचीन काल में कामासुर नामक एक शक्तिशाली राक्षस ने भगवान शिव की घोर तपस्या की और उनसे अजेय होने का वरदान प्राप्त किया। इस वरदान के कारण वह अत्यंत अहंकारी हो गया और उसने स्वर्ग पर आक्रमण करके देवताओं को बंदी बना लिया। जब देवता संकट में पड़कर भगवान शिव के पास गए, तो उन्होंने देवताओं से कहा कि केवल विघ्नहर्ता गणेश ही कामासुर को पराजित कर सकते हैं।

देवताओं की प्रार्थना पर, भगवान गणेश ने विकट नामक विशाल और तेजस्वी रूप धारण किया और युद्ध करने के लिए मयूर (मोर) पर सवार होकर चल पड़े। गणेश के इस भयानक रूप को देखकर कामासुर भय से कांप उठा और उनके चरणों में गिरकर क्षमा याचना करने लगा। गणेश ने उसके अहंकार को चूर कर दिया और देवताओं को उसके अत्याचारों से मुक्त कराया। चूंकि इस विजय का दिन वैशाख मास की

चतुर्थी तिथि को पड़ा था, इसलिए उस दिन को विकट संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है।

संकष्टी चतुर्थी व्रत कथा- 2

दूसरी पौराणिक कथा के अनुसार प्राचीन समय में रंतिदेव नाम के एक पराक्रमी और यशस्वी राजा थे। वे अपने शत्रुओं का उसी प्रकार नाश कर देते थे जैसे अग्नि घास को जला देती है। उनकी मित्रता यम कुबेर और इंद्र जैसे देवताओं से थी। उनके राज्य में धर्मकेतु नाम के एक ब्राह्मण रहते थे जिनकी दो पत्नियां थीं जिनका नाम सुशीला और चंचला था।

सुशीला भगवान गणेश की सच्ची भक्त थी और हमेशा व्रत उपवास करती रहती थी, जिससे उसका शरीर कमजोर हो गया था। दूसरी ओर चंचला व्रत नहीं करती थी और सुशीला का उपहास करती थी। वह कहती थी कि व्रत करने के बाद भी उसे केवल एक बेटी मिली जबकि उसे पुत्र प्राप्त हुआ है।

एक दिन दुखी होकर सुशीला ने वैशाख संकष्टी चतुर्थी का व्रत पूरे विधि-विधान से किया। उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर गणेश जी प्रकट हुए और उसे आशीर्वाद दिया कि उसकी पुत्री के मुख से मोती और मूंगा झरेंगे और उसे शीघ्र ही एक गुणवान पुत्र भी मिलेगा। कुछ समय बाद जब सुशीला के जीवन में सुख और समृद्धि आई तो चंचला को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने सुशीला से क्षमा मांगी और स्वयं भी इस व्रत को करना शुरू किया। इसके बाद दोनों के जीवन में सुख शांति और समृद्धि बनी रही।

16 संस्कारों में क्या है अन्नप्राशन का महत्व, जानिए क्यों आवश्यक है ये संस्कार

भारतीय संस्कृति में वर्णित सोलह संस्कार मनुष्य के जीवन को जन्म से लेकर मृत्यु तक शुद्ध, संस्कारित और अनुशासित बनाने की पवित्र प्रक्रिया हैं। इन्हीं में से एक महत्वपूर्ण संस्कार है अन्नप्राशन संस्कार। शिशु के जन्म के छठे या सातवें महीने में शुभ मुहूर्त में मंत्रोच्चारण के साथ उसे पहली बार शुद्ध, सात्विक, हल्का और पौष्टिक अन्न चटाया जाता है। यह केवल अन्न ग्रहण करने की शुरुआत नहीं, बल्कि जीवन में शुद्ध आहार और शुद्ध विचारों के बीजारोपण का आध्यात्मिक अवसर है।

1. सोलह संस्कारों में अन्नप्राशन का महत्व

अन्नप्राशन संस्कार शिशु के जीवन का वह चरण है जब वह माता के दूध के अतिरिक्त पहली बार बाह्य अन्न ग्रहण करता है। यह संस्कार इस भावना को पुष्ट करता है कि जीवन में जो भी ग्रहण किया जाए, वह पवित्र, सात्विक और स्वास्थ्यवर्धक हो। परिवारजन इस अवसर पर ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि बालक का जीवन तेजस्वी, स्वस्थ और सद्गुणों से परिपूर्ण हो।

2. अन्न का दार्शनिक और आध्यात्मिक स्वरूप

शास्त्रों में कहा गया है-अन्नं ब्रह्म। अन्न को प्राणियों का प्राण माना गया है। भगवद्गीता में उल्लेख मिलता है कि अन्न से ही प्राणी जीवित रहते हैं और अन्न से ही मन की उत्पत्ति होती है। शुद्ध एवं सात्विक अन्न से शरीर स्वस्थ रहता है, मन निर्मल होता है और बुद्धि स्थिर रहती है। जब आहार शुद्ध होता है, तब अंतःकरण भी शुद्ध होता है और सत्वगुण की वृद्धि होती है। स्वस्थ मन ही ईश्वरानुभूति का माध्यम बनता है, इसलिए अन्न का चयन केवल स्वाद के आधार पर नहीं, बल्कि संस्कार और सात्विकता के आधार पर किया जाना चाहिए।

3. तन-मन की शुद्धि का आधार है आहार अन्न

केवल शरीर का पोषण नहीं करता, बल्कि मन, बुद्धि, तेज और चेतना का भी निर्माण करता है। मनुष्य के विचार, भावनाएं और आकांक्षाएं उसके आहार से गहराई से जुड़ी होती हैं। सात्विक भोजन से संयम, करुणा और धैर्य जैसे गुण विकसित होते हैं, जबकि तामसिक भोजन से मन में अशांति और असंतुलन उत्पन्न हो सकता है। इसी कारण अन्नप्राशन संस्कार के माध्यम से यह संकल्प लिया जाता है कि जीवन में सदैव शुद्ध, सात्विक और पौष्टिक अन्न को ही ग्रहण किया जाएगा। अन्न को भगवान का कृपा-प्रसाद मानकर ग्रहण करना भारतीय संस्कृति की मूल भावना है।

4. महाभारत में अन्न के प्रभाव का प्रसंग

अन्न का प्रभाव मनुष्य के जीवन और विचारों पर कितना गहरा होता है, इसका उल्लेख महाभारत में मिलता है। बाणों की शैय्या पर लेटे भीष्म पितामह पांडवों को धर्मोपदेश दे रहे थे। तभी द्रौपदी को हंसी आ गई। कारण पूछने पर द्रौपदी ने कहा कि जब सभा में उसका अपमान हो रहा था, तब वे मौन क्यों रहे? इस पर भीष्म पितामह ने उत्तर दिया कि उस समय वे दुर्योधन का अन्न खाते थे और उसी अन्न से बना रक्त उनके शरीर में प्रवाहित हो रहा था। जैसा दुर्योधन का स्वभाव था, वैसा ही प्रभाव उनके मन और बुद्धि पर पड़ा। किंतु अब अर्जुन के बाणों ने उस पाप के अन्न से बने रक्त को बाहर निकाल दिया है, जिससे उनकी भावनाएं शुद्ध हो गई हैं। यह प्रसंग स्पष्ट करता है कि अन्न का प्रभाव केवल शरीर तक सीमित नहीं, बल्कि विचारों और निर्णयों को भी प्रभावित करता है।

5. संस्कारित जीवन का प्रारंभ अन्नप्राशन

संस्कार यह संदेश देता है-जैसा अन्न, वैसा मन। बचपन से ही यदि शुद्ध और सात्विक आहार की आदत डाली जाए, तो जीवन में संतुलन, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक उन्नति सहज संभव हो जाती है। अन्न ही जीवन धारण करने की शक्ति देता है। इसलिए उसे केवल भोजन नहीं, बल्कि ईश्वर का प्रसाद समझकर ग्रहण करना चाहिए। यही भावना अन्नप्राशन संस्कार के माध्यम से शिशु के जीवन में स्थापित की जाती है, ताकि उसका तन और मन दोनों पवित्र, स्वस्थ और संस्कारित बन सकें।

कांग्रेस पाकिस्तान के 'सुर में सुर' मिलाती है, देश की सुरक्षा से समझौता करती है : प्रधानमंत्री मोदी

बारपेटा/होजाई/डिब्रूगढ़(असम) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि एक ओर उनकी सरकार ने पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर कड़ा रुख अपनाया, वहीं दूसरी ओर विपक्षी कांग्रेस लगातार पड़ोसी देश के सुर में सुर मिलाती नजर आती है। असम के बारपेटा, होजाई और डिब्रूगढ़ में एक के बाद एक चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए, मोदी ने विपक्षी दल पर विकास के प्रति संकीर्ण दृष्टिकोण रखने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा दीर्घकालिक विकास पर ध्यान केंद्रित करती है।

मोदी ने कहा, ''कांग्रेस ने हमेशा अल्पकालिक उपाय अपनाए, ताकि वे भ्रष्टाचार में लिप्त रह सकें। लेकिन भाजपा समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए निर्णय लेते समय दूरदर्शी सोच रखती है। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि 2016 में की गई 'सर्जिकल स्ट्राइक' हो या वर्ष 2025 का 'ऑपरेशन सिंदूर', इस दौरान कांग्रेस हमेशा पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाती रही और उसके एजेंडे को अहमियत देती रही है। उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान से यह संबंध हमेशा देश पर भारी पड़ता है, और हम कभी इसकी अनुमति नहीं दे सकते।'' उन्होंने कांग्रेस पर दशकों तक 'वन रैंक, वन पेंशन' योजना लागू न करके सेना की उपेक्षा करने का आरोप भी लगाया। । प्रधानमंत्री ने रैली को संबोधित करते हुए कहा,''भाजपा सरकार ने यह लाभ देकर सुनिश्चित किया कि देश की रक्षा करने वालों को न्याय मिले। हमने अब तक पूर्व सैन्यकर्मियों के बैंक खातों में 12.4 लाख करोड़ रुपये अंतरित किए हैं।''

सेना ने मानवरहित हवाई प्रणालियों के लिए प्रौद्योगिकी रोडमैप जारी किया

नयी दिल्ली : सेना ने मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएएस) और 'लॉइटरिंग म्युनिशन' (एलएम) के क्षेत्र में तकनीकी और परिचालन आवश्यकताओं को रेखांकित करने वाला एक महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी रोडमैप सोमवार को जारी किया। यह कदम विभिन्न संघर्षों में देखी जा रही युद्ध की बदलती प्रकृति के बीच उठाया गया है। एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने बताया कि उद्योग और शिक्षा जगत के लिए तैयार किए गए लगभग 50 पन्नों के इस दस्तावेज में पांच श्रेणियों में वर्गीकृत 30 तरह के यूएएस और 'लॉइटरिंग म्युनिशन' के करीब 80 संस्करणों का ब्योरा दिया गया है। 'लॉइटरिंग म्युनिशन' हथियारों से लैस एक तरह का स्व-विनाशकारी मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) होता है, जिसे किसी इलाके में हवा में मंडराने और लक्ष्य की पहचान होने

पर उससे टकराने और उसमें विस्फोट करने के लिए तैयार किया जाता है। अधिकारी ने बताया कि रोडमैप में जिन श्रेणियों को शामिल किया गया है, उनमें निगरानी ड्रोन, 'लॉइटरिंग म्युनिशन', वायु रक्षा में भूमिका वाली मानवरहित हवाई प्रणाली, विशेष भूमिका वाली मानवरहित हवाई प्रणाली और रसद मानवरहित हवाई प्रणाली शामिल हैं। सेना के उप प्रमुख (क्षमता विकास और रखरखाव) लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने इस रोडमैप को जारी किए जाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में अपने संबोधन में दस्तावेज की संवेदनशील प्रकृति के बारे में चेताया।

भारत में अवैध रूप से रह रहे तीन बांग्लादेशी नागरिकों को 14 महीने जेल की सजा

ठाणे : एक स्थानीय अदालत ने भारत में अवैध रूप से रह रहे तीन बांग्लादेशी नागरिकों को 14 महीने कैद की सजा सुनाई। हालांकि, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आर.एस. भाकरे ने एक अप्रैल को दिए गए अपने फैसले में उन्हें विदेशी अधिनियम के प्रावधानों से बरी कर दिया। जाहिद ऐनल खान (23), सपना मदन सिकदर (31) और जुइथी जहांगीर ढाली (25) को पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) नियम 1950 के तहत दोषी ठहराया गया। इसके पहले उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। आदेश में कहा गया है, ''रिकॉर्ड में ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे यह पता चले कि जिस स्थान पर आरोपी पाए गए, वह प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित है। इसलिए विदेशी अधिनियम की धारा 14ए के तहत आरोप नहीं बनता है।'' अदालत ने तीनों को सजा पूरी करने के बाद बांग्लादेश प्रत्यर्पित करने का निर्देश दिया। तीनों को पिछले साल 28 फरवरी को मुंब्रा-पनवेल रोड पर उत्तरशिव नाका के पास गिरफ्तार किया गया था।

न्यायालय ने राजमार्गों से आवारा मवेशियों को दूर रखने संबंधी याचिका पर केंद्र, अन्य से जवाब मांगा

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उस याचिका पर केंद्र सरकार और अन्य पक्षों से जवाब मांगा, जिसमें देशभर में राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों से आवारा मवेशियों को दूर रखने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने केंद्र और राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड सहित अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है। पीठ ने पाया कि कई राज्य 10 प्रतिशत गौ-उपकर तो वसूल रहे हैं लेकिन इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से पेश वकील ने पीठ को बताया कि उच्चतम न्यायालय पहले ही आवारा कुत्तों के मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख चुका है, जिसमें राजमार्गों पर आवारा पशुओं के प्रवेश का मुद्दा भी शामिल है।

ईडी ने महाराष्ट्र के स्वयंभू बाबा खरात के खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया

मुंबई : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्वयंभू बाबा अशोक खरात के खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया है और जल्द ही उससे पूछताछ की जाएगी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संघीय एजेंसी के मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय ने धन शोधन रोकथाम अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की है। अधिकारियों ने कहा कि ईडी ने खरात के खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस द्वारा दर्ज की गईं कई प्राथमिकियों का संज्ञान लिया है। उन्होंने बताया कि ईडी द्वारा जल्द ही उससे और उससे जुड़े कुछ अन्य लोगों से पूछताछ की जाएगी। खुद को ज्योतिषी बताने वाले खरात को मार्च में तब गिरफ़्तार किया गया था, जब एक विवाहित महिला ने आरोप लगाया कि स्वयंभू बाबा ने उसके साथ तीन साल तक बार-बार बलात्कार किया।

शाह ने भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर तिरुवनंतपुरम में फहराया पार्टी का झंडा

तिरुवनंतपुरम : केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने सोमवार को पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर यहां भाजपा की केरल राज्य समिति कार्यालय में पार्टी का झंडा फहराया। मरारजी भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी के कार्यकर्ता और नेता शामिल हुए। शाह चुनाव प्रचार के लिए रविवार को राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम पहुंचे थे। उन्होंने कट्टक्कडा विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित किया। उनका आज अलप्पुझा के हरिपाद विधानसभा क्षेत्र में रोड शो करने का कार्यक्रम है। केरल की 140 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव नौ अप्रैल को होंगे।

मुसलमानों, अन्य अल्पसंख्यकों खिलाफ नहीं है भाजपा: गडकरी

नागपुर : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि भाजपा के मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने का दावा पूरी तरह गलत है और पार्टी विश्व कल्याण की भारतीय परंपरा और विचार में विश्वास रखती है। यहां पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि भाजपा न तो जातिवादी है और न ही सांप्रदायिक, लेकिन विरोधियों ने पिछले कई दशकों से इसे बदनाम करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, भाजपा किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं है। हमारी पार्टी मानती है कि लोगों की पूजा-पद्धति अलग-अलग हो सकती हैं और हर व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। अलग-अलग पूजा पद्धतियों के बावजूद हम सभी भारतीय हैं। हमारी संस्कृति, इतिहास और विरासत एक है। उन्होंने कहा कि यह दुष्प्रचार किया जा रहा है कि भाजपा किसी एक जाति की पार्टी है। उन्होंने कहा कि पार्टी को महात्मा गांधी की हत्या करने वालों से जोड़ना भी गलत है। गडकरी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के एक साक्षात्कार का जिक्र किया, जिसमें पटकथा लेखक-गीतकार जावेद अख्तर ने उनसे पूछा था कि यदि भारत में भाजपा सत्ता में आती है तो क्या धर्मनिरपेक्षता खतरे में पड़ जाएगी। उन्होंने कहा, वाजपेयी ने जवाब दिया था कि भारत धर्मनिरपेक्ष है और हमेशा रहेगा। यह केवल भाजपा-आरएसएस की वजह से नहीं, बल्कि बहुसंख्यक हिंदू समाज की संस्कृति, इतिहास और समावेशी परंपरा के कारण है।

आईएसआई समर्थित आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़, तीन लोग गिरफ्तार: पंजाब पुलिस

चंडीगढ़ : पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई (इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस) द्वारा समर्थित एक आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से दो हथगोले एवं एक 'ग्लॉक' पिस्तौल बरामद की है।

पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि हथगोलों पर पीओएफ (पाकिस्तान आयुध कारखाना) के चिह्न हैं जो सीमा पार संबंधों का संकेत देते हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान सरबजीत सिंह (तरन तारन के अम्मीशाह गांव निवासी), बिक्रमजीत सिंह (अमृतसर के नांगल पन्नुवां गांव निवासी) और अमनदीप सिंह (अमृतसर की इंदिरा कॉलोनी निवासी) के रूप में की गई है। यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आईएसआई द्वारा समर्थित मॉड्यूल कई राज्यों में पुलिस प्रतिष्ठानों को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाने में शामिल था जिसे अब सफलतापूर्वक विफल कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मॉड्यूल के अन्य सदस्यों की पहचान करने, उन पर नजर रखने और उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी), अमृतसर के सहायक पुलिस महानिरीक्षक (एआईजी) सुखमिंदर सिंह मान ने अभियान का ब्यौरा साझा करते हुए कहा कि खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान में सरबजीत सिंह और अमनदीप सिंह को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से हथगोले एवं एक पिस्तौल बरामद की गई।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन के जरिए हथियारों की तस्करी की एनआईए जांच शुरू

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन के जरिए हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एनआईए को संदेह है कि यह तस्करी भारत में आतंकी हमले करने के लिए रची गई व्यापक साजिश का हिस्सा हो सकती है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए आतंकवाद रोधी एजेंसी ने पाकिस्तान स्थित आतंकी जसवीर चौधरी, उसके भारतीय सहयोगी शुभम कुमार और अन्य अज्ञात व्यक्तियों की कथित भूमिका की जांच के लिए मामला दर्ज किया है। यह मामला मूल रूप से इस वर्ष फरवरी में पंजाब पुलिस द्वारा दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि अमृतसर स्थित राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी) को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि चौधरी के निर्देश पर उसके भारतीय सहयोगियों ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन के जरिए हथियारों, गोला-बारूद और परिष्कृत विस्फोटक उपकरणों (आईईडी) की एक बड़ी खेप प्राप्त की थी, जिसका उद्देश्य पंजाब, दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में विस्फोट करना था। इस संबंध में राज्य पुलिस ने 10 फरवरी को प्राथमिकी दर्ज की थी। गृह मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा कि यह मामला एक 'विदेशी तत्व' द्वारा भारत में हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटकों का उपयोग करके आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए रची गई आपराधिक साजिश से संबंधित है। आदेश में कहा गया है कि अपराध की गंभीरता, इसके गंभीर सुरक्षा परिणामों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संबंधों और व्यापक साजिश का पर्दाफाश करने की आवश्यकता को देखते हुए, इसकी जांच एनआईए द्वारा की जानी आवश्यक है। एनआईए ने पिछले महीने पंजाब में हथियार गिराए जाने के मामले की जांच के लिए भी प्राथमिकी दर्ज की थी।

चौथे तटरक्षक तीव्र गश्ती पोत का निर्माण शुरू

समुद्री क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा

नयी दिल्ली : भारतीय तटरक्षक बल के लिए एक तीव्र गश्ती पोत (एफपीवी) के निर्माण की सोमवार को शुरूआत की गई। यह तटीय सुरक्षा, खोज और बचाव तथा कानून प्रवर्तन के लिए बनाए जा रहे 14 जहाज़ों की श्रृंखला में चौथा जहाज़ है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये जहाज़ देश के 'आत्मनिर्भर भारत' विज़न के अनुरूप बनाए जा रहे हैं और इनसे हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय तटरक्षक बल की मौजूदगी मजबूत होगी। भारतीय तटरक्षक बल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 14 एफपीवी परियोजना के तहत एफपीवी-4 के साथ ही एफपीवी-7 के निर्माण की शुरूआत के लिए आज एमडीएल, मुंबई में समारोह आयोजित किया गया। एफपीवी को अत्याधुनिक मशीनों से लैस किया जा रहा है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित रखरखाव प्रणाली और बहुउद्देशीय ड्रोन शामिल हैं। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में तटरक्षक बल के एक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। एमडीएल के साथ 14 एफपीवी के डिज़ाइन और निर्माण का अनुबंध जनवरी 2024 में हुआ था। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि लगभग 340 टन वजनी एफपीवी तटीय सुरक्षा, खोज और बचाव तथा कानून प्रवर्तन कार्यों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

ठेके देने का मामला: खांडू ने सीबीआई जांच का स्वागत किया

ईटानगर : अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने उनके परिजनों को सार्वजनिक कार्यों के ठेके दिए जाने के आरोपों से जुड़े मामले में उच्चतम न्यायालय के आदेश पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा प्रारंभिक जांच किए जाने का सोमवार को स्वागत किया और कहा कि उनकी सरकार के पास ''छिपाने के लिए कुछ नहीं'' है। खांडू ने एक बयान में कहा कि इस जांच से स्थिति स्पष्ट करने और शासन में पारदर्शिता की पुष्टि करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''सच्चाई सामने आएगी।'' खांडू ने कहा कि उनकी सरकार के पास ''छिपाने के लिए कुछ नहीं'' है और वह निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच के लिए हर जरूरी सहयोग देगी। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को सीबीआई को निर्देश दिया कि अरुणाचल प्रदेश में सार्वजनिक कार्यों के ठेके मुख्यमंत्री खांडू के परिजन के कथित स्वामित्व वाली कंपनियों को दिए जाने के मामले में वह दो सप्ताह में प्रारंभिक जांच करे। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि आदेश के तहत राज्य में एक जनवरी 2015 से 31 दिसंबर 2025 तक सार्वजनिक कार्यों, ठेकों और कार्य आदेशों के आवंटन और उनके क्रियान्वयन की जांच की जाए।

छत्तीसगढ़: माओवादी हमले में जान गंवाने वाले 76 जवानों के सम्मान में स्मारक का निर्माण

सुकमा (छत्तीसगढ़) : छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के ताड़मेटला इलाके में 2010 में माओवादी हमले में जान गंवाने वाले 76 सुरक्षाकर्मियों को समर्पित एक शहीद स्मारक का उद्घाटन सोमवार को किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस शहीद स्मारक का लोकार्पण छत्तीसगढ़ को सशस्त्र माओवादियों से मुक्त घोषित किए जाने के लगभग एक सप्ताह बाद किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह स्मारक हमले वाली जगह के करीब, गडगडमेटा गांव में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) शिविर के नजदीक बनाया गया है। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, राज्य के अतिरिक्त महानिदेशक (नक्सल विरोधी अभियान) विवेकानंद सिन्हा, पुलिस महानिरीक्षक (बस्तर क्षेत्र) सुंदरराज पट्टिलिंगम और सीआरपीएफ, राज्य पुलिस तथा जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने हमले की बरसी पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी और औपचारिक रूप से इस स्मारक को जनता को समर्पित किया। छह अप्रैल, 2010 को तत्कालीन

दंतेवाड़ा जिले (यह इलाका अब सुकमा जिले में आता है) के गडगडमेटा और ताड़मेटला गांवों के मध्य जंगलों में हुए एक माओवादी हमले में 76 सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई थी। इनमें सीआरपीएफ की 62वीं बटालियन के 75 जवान और राज्य पुलिस का एक हवलदार शामिल था। यह देश में सुरक्षा बलों पर हुए सबसे घातक हमलों में से एक था।

आंध्र में रेलवे कर्मचारियों ने ट्रेन में महिला का प्रसव कराने में मदद की

विजयवाड़ा : दक्षिण-मध्य रेलवे के विजयवाड़ा मंडल ने सोमवार को कहा कि उसके टिकट जांच कर्मचारियों ने अलाप्पुझा-धनबाद एक्सप्रेस में एक गर्भवती महिला का सुरक्षित रूप से प्रसव कराने में मदद की। विजयवाड़ा मंडल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह घटना पांच अप्रैल को हुई, जब ट्रेन संख्या 13352 (अलाप्पुझा-धनबाद एक्सप्रेस) के बी1 कोच में परिजनों के साथ सफर कर रही एक गर्भवती महिला यात्री को अन्नावरम स्टेशन पार करने के कुछ ही देर बाद प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। विज्ञप्ति के मुताबिक, विजयवाड़ा मंडल ने अपने कर्मचारियों की समयबद्ध और सहानुभूतिपूर्ण प्रतिक्रिया के जरिये एक बार फिर यात्रियों की सुरक्षा एवं देखभाल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रसव पीड़ा उठने पर महिला के परिजनों ने मदद के लिए ड्यूटी पर तैनात टिकट जांच कर्मचारियों से संपर्क किया। इसमें कहा गया है कि विजयवाड़ा मंडल की टीटीआई (सुविधा) जी ज्योति ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ट्रेन में सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए हर संभव मदद प्रदान की। विज्ञप्ति के अनुसार, ज्योति ने वाणिज्यिक नियंत्रक के साथ समन्वय किया और 108 आपातकालीन एंबुलेंस सेवा के माध्यम से चिकित्सा सहायता की व्यवस्था की।

महिला आरक्षण को चुनावी मुद्दा बना रहे हैं प्रधानमंत्री, जनता करारा जवाब देगी: राहुल

नयी दिल्ली : कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिला आरक्षण को चुनावी मुद्दा बना रहे हैं जिसका चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के चुनाव में जनता करार जवाब देगी तथा भारतीय जनता पार्टी को नकारेगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी खुद महिला आरक्षण के मुद्दे पर 30 महीने बाद जागे हैं और अपने पहले के रुख से पलटी मार ली है। प्रधानमंत्री मोदी ने असम की एक चुनावी सभा में कहा कि संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण 2029 के आम चुनावों से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''इस मुद्दे पर सभी दलों से चर्चा करने और इसे आगे बढ़ाने के लिए

16 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया गया है। लेकिन कुछ लोग इस बारे में भी अफवाहें फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।'' प्रधानमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज असम में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री ने संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण विधेयक के लिए एकमत समर्थन की अपील की। इससे ज्यादा बोगस और क्या हो सकता है?''

राष्ट्र की समृद्धि ही व्यक्तिगत प्रगति की कुंजी है: मोहन भागवत

कोच्चि (केरल) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि व्यक्तिगत समृद्धि तभी संभव है, जब देश समृद्ध और सुरक्षित हो। वह यहां आरएसएस से संबद्ध छात्रों के सांस्कृतिक संगठन बालगोकुलम के दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। भागवत ने कहा कि समृद्धि और सुरक्षा को अलग-अलग हासिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, ''जब देश समृद्ध और सुरक्षित होता है, तब परिवार भी समृद्ध और सुरक्षित होते हैं। जब व्यक्ति देश की समृद्धि और सुरक्षा के लिए काम

करता है, तो वह स्वयं भी समृद्ध बनता है।'' उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को अक्सर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया जाता है। युवाओं का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि अक्सर यह भ्रम रहता है कि व्यक्तिगत करियर पर ध्यान दिया जाए या देश के विकास के लिए काम किया जाए। उन्होंने कहा, ''ऐसा कोई भ्रम नहीं होना चाहिए, क्योंकि करियर बनाना और देश के लिए काम करना एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। सही रास्ता चुनना ही सबसे महत्वपूर्ण है।'' उद्घाटन के दौरान भागवत ने भगवान कृष्ण को पुष्प अर्पित किए। उन्होंने बालगोकुलम कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों से भी बातचीत की।

पार्टी कार्यकर्ता और नेता '2047 तक विकसित भारत' बनाने का संकल्प लें : भाजपा अध्यक्ष नवीन

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से देशवासियों को पूर्ण समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ जोड़ने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का आह्वान किया। नवीन ने भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे उन नेताओं और कार्यकर्ताओं के ''समर्पण और बलिदान'' से प्रेरणा लेकर पार्टी के प्रभाव को और अधिक बढ़ाएं, जिन्होंने भाजपा को दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनाने में योगदान दिया। उन्होंने

यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कहा, ''हम जश्न मना रहे हैं, लेकिन यह संकल्प लेने का भी अवसर है। आइए 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ें और पंचायत से लेकर संसद तक भगवा झंडा लहराने के सपने को साकार करें।'' नवीन ने भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की और पार्टी के 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत को दोहराया। उन्होंने कहा, ''यह मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार मैं आप सभी के साथ पार्टी का स्थापना दिवस मना रहा हूं। यह केवल उत्सव का दिन नहीं है, बल्कि हम सभी के लिए संकल्प का क्षण भी है।'' नवीन ने पार्टी के पूर्व अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं की पुरानी पीढ़ियों को नमन करते हुए कहा कि भाजपा का विकास दशकों से चले आ रहे सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा, ''मैं सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं और उस दौर के सभी कार्यकर्ताओं को सलाम करता हूं, जिन्होंने पार्टी को मजबूत किया और उसे आज इस मुकाम तक पहुंचाया।''

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को सुनवाई से अलग करने के अनुरोध के साथ केजरीवाल अदालत में पेश हुए

नयी दिल्ली : दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से पेश हुए और न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को आबकारी नीति मामले में उन्हें तथा अन्य सभी आरोपियों को आरोप मुक्त किए जाने के फैसले के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई से अलग किए जाने का अनुरोध किया। न्यायमूर्ति शर्मा ने उन्हें मामले की सुनवाई से अलग किए जाने की केजरीवाल की अर्जी को रिकॉर्ड में ले लिया और इसकी सुनवाई 13 अप्रैल को तय की। न्यायमूर्ति शर्मा को बताया गया कि मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय की अन्य पीठ को सौंपने के अनुरोध को लेकर शीर्ष अदालत में दाखिल याचिका वापस ले ली गई है।

भोजशाला मूलतः देवी सरस्वती का मंदिर है, यह कतई मस्जिद नहीं हो सकता: हिंदू पक्ष

इंदौर : हिंदू पक्ष ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में सोमवार को कहा कि धार के विवादित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर की मूल प्रकृति देवी सरस्वती के मंदिर की है और यह ऐतिहासिक स्मारक एक मस्जिद कतई नहीं हो सकता। हिंदू पक्ष के मुताबिक ऐतिहासिक रिकॉर्ड और विवादित परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के वैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट उसके इस दावे का समर्थन करती है। भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष 11वीं सदी के इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह विवादित परिसर एएसआई द्वारा संरक्षित है। उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने इस परिसर के धार्मिक स्वरूप के विवाद को लेकर दायर चार याचिकाओं और एक रिट अपील पर सोमवार से नियमित सुनवाई शुरू की। न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी की खंडपीठ सभी संबद्ध पक्षों की दलीलें सिलसिलेवार तरीके से सुन रही है। याचिकाकर्ताओं में शामिल संगठन 'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' की ओर से पैरवी करते हुए विष्णु शंकर जैन ने अदालत में कहा कि ऐतिहासिक रिकॉर्ड, एएसआई के वैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट और याचिका के साथ पेश तथ्यात्मक सामग्री साबित करती है कि विवादित परिसर का मूल चरित्र या प्रकृति देवी सरस्वती के मंदिर की है। उन्होंने इस परिसर में हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों, संस्कृत श्लोकों से युक्त शिलालेखों, मंडप और हवन कुंड होने का दावा करते हुए कहा कि यह स्मारक कोई मस्जिद हो ही नहीं सकता। जैन ने कहा कि विवादित स्मारक उस हिंदू संरचना का भाग है जिसे धार के परमार राजवंश के राजा भोज ने 1034 ईस्वी में स्थापित किया था।

जरूरी वस्तुओं की कीमतों में असामान्य उतार-चढ़ाव नहीं, स्थिति पर नजरः सरकार

नयी दिल्ली: पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार ने सोमवार को कहा कि जरूरी वस्तुओं की कीमतों में फिलहाल कोई 'असामान्य उतार-चढ़ाव' नहीं देखा गया है और देशभर के थोक एवं खुदरा बाजारों में कीमतों पर लगातार नजर रखी जा रही है। सरकार ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के अलावा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए गेहूं और चावल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। राज्यों को आवश्यक खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई करने को कहा गया है। उपभोक्ता मामले विभाग के अतिरिक्त सचिव अनुपम मिश्रा ने अंतर-मंत्रालयी संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि विभाग रोजाना 528 केंद्रों से 40 वस्तुओं के दाम के बारे में सूचना जुटाता है और इन्हें एक मोबाइल ऐप पर अद्यतन किया जाता है। मिश्रा ने कहा, अब तक आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में कोई असामान्य उतार-चढ़ाव नहीं देखा गया है। उन्होंने कहा कि कीमतों पर नजर रखने के साथ जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने और जमाखोरी एवं कालाबाजारी रोकने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के भीतर गेहूं और चावल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। दालों के बारे में मिश्रा ने कहा कि इस वर्ष उत्पादन पिछले साल से अधिक रहने का अनुमान है और सरकार के पास करीब 28 लाख टन का बफर स्टॉक है। तुअर (अरहर) और उड़द के आयात को मार्च, 2027 तक 'मुक्त श्रेणी' में रखा गया है। प्याज, आलू और टमाटर के संबंध में उन्होंने कहा कि इनकी पैदावार पिछले साल के लगभग बराबर है और आपूर्ति पक्ष में कोई बाधा नहीं है। सरकार ने प्याज का बफर स्टॉक बनाने के लिए खरीद भी शुरू कर दी है जिससे कीमतों में संभावित उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि आवश्यक वस्तु अधिनियम (एस्मा), 1955 के तहत राज्यों के पास जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई करने के अधिकार हैं और केंद्र सरकार इस संबंध में लगातार राज्यों के संपर्क में है। शिकायतों की निगरानी के लिए एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है। इस मौके पर खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग की संयुक्त सचिव सी. शिखा ने कहा कि सरकार के पास मौजूद गेहूं और चावल का बफर स्टॉक निर्धारित मानकों से लगभग तीन गुना है। उन्होंने कहा, में लगभग 222 लाख टन गेहूं और 380 लाख टन चावल का भंडार उपलब्ध है, जो पीडीएस और आकस्मिक जरूरतों के लिए पर्याप्त है।'

वैश्विक अनिश्चितता के बीच 2026-27 में सोने, चांदी में रहेगी तेजी, बड़े उछाल की संभावना कम

नयी दिल्ली: घरेलू बाजारों में कीमती धातुओं की कीमतें वित्त वर्ष 2026-27 में मध्यम रूप से तेज रहने की उम्मीद है, क्योंकि भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार युद्ध का डर और वैश्विक स्तर पर मंदी का बढ़ता जोखिम 'सेफ-हेवन' (सुरक्षित निवेश) की मांग को बढ़ा सकता है, भले ही ऊंची ब्याज दरें कीमतों में तेज़ उछाल को सीमित कर सकती हैं। घरेलू मोर्चे पर वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान, चांदी के वायदा भाव एक अप्रैल, 2025 को दर्ज 99,461 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 1,41,431 रुपये, या 142.2 प्रतिशत बढ़ गए; जबकि सोना इसी अवधि के दौरान दर्ज 90,503 रुपये प्रति 10 ग्राम से 60,258 रुपये या 67 प्रतिशत बढ़ गया। यह दृष्टिकोण दशकों में कीमती धातुओं के लिए सबसे मज़बूत वर्षों में से एक के बाद आया है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान चांदी में 142 प्रतिशत से अधिक की तेज़ी आई, जबकि सोने में लगभग 67 प्रतिशत की तेज़ी आई। जिसकी मुख्य वजह अमेरिकी प्रशासन का शुल्क युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव, केंद्रीय बैंकों द्वारा भारी खरीदारी, आपूर्ति की तंग स्थिति और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता रही। चॉइस ब्रोकिंग में जिंस और मुद्रा विश्लेषक आमिर मकदा ने पीटीआई-भाषा को एक साक्षात्कार में बताया, ''वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सोने और चांदी का दृष्टिकोण मध्यम रूप से तेज़ी वाला रहेगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार युद्ध और वैश्विक मंदी के डर के कारण एक मुश्किल दौर से गुज़र रही है, इसलिए 'सेफ-हेवन' संपत्तियों की मांग बढ़ेगी।' मज़बूत बढ़त के बावजूद, वित्त वर्ष के अंत में सर्राफा की कीमतों में तेज़ गिरावट या तकनीकी सुधार देखने को मिला। अकेले मार्च में, सोने की कीमतें 11,343 रुपये, या सात प्रतिशत नीचे आ गईं, जबकि मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी 41,752 रुपये, या 15 प्रतिशत टूट गई। हालिया कीमतों में गिरावट पर उन्होंने कहा, 'ऐतिहासिक रूप से, 'सेफ-हेवन' संपत्ति के रूप में सोने की मांग युद्ध की स्थितियों के दूसरे चरण में बढ़ने की संभावना होती है, जब डॉलर की बढ़त सीमित हो जाती है।'' हालांकि, मकदा ने आगाह किया कि अमेरिकी फेडरल रिज़र्व और अन्य प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरें बनाए रखने से सर्राफा कीमतों में तेज़ उछाल सीमित हो सकता है।

डॉलर के कमजोर होने से चांदी 5,000 रुपये चढ़ी, सोना 2,300 रुपये मजबूत

नयी दिल्ली: कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने के कारण राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को चांदी की कीमतें 5,000 रुपये बढ़कर 2.42 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं, जबकि सोना बढ़कर 1.53 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत 5,000 रुपये, या 2.11 प्रतिशत बढ़कर 2,42,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई, जो शुक्रवार के बंद भाव 2,37,000 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक है। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 2,300 रुपये, या 1.52 प्रतिशत बढ़कर 1,53,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। पिछले सत्र में यह 1,51,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

न्यूज अपडेट

रिलायंस के शेयर में तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट

नयी दिल्ली: रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में सोमवार को तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। बीएसई पर कंपनी का शेयर 3.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,304.75 रुपये पर बंद हुआ, जबकि कारोबार के दौरान यह 4.50 प्रतिशत तक टूटकर 1,290 रुपये तक आ गया था। वहीं एनएसई पर यह 3.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,304.70 रुपये पर बंद हुआ। पिछले दो कारोबारी सत्रों में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में कुल 4.68 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिससे कंपनी के बाजार पूंजीकरण में 86,743.14 करोड़ रुपये की कमी आई। इसके साथ ही कंपनी का मूल्यांकन 18 लाख करोड़ रुपये के स्तर से नीचे 17.65 लाख करोड़ रुपये रह गया है।

सरकारी प्रतिभूतियों में एफपीआई निवेश की सीमा छह प्रतिशत पर बरकरारः आरबीआई

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निवेश सीमा सामान्य मार्ग के तहत छह प्रतिशत पर बरकरार रखी गई है। आरबीआई ने एक परिपत्र में कहा कि सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक), राज्य सरकार की प्रतिभूतियों (एसजीएस) और कॉरपोरेट बॉन्ड में एफपीआई निवेश की सीमा चालू वित्त वर्ष के लिए क्रमशः छह प्रतिशत, दो प्रतिशत और 15 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रहेगी। इसके साथ ही, जी-सेक सीमा में बढ़ोतरी को 'सामान्य' और 'दीर्घावधि' श्रेणियों के बीच 50:50 के अनुपात में बांटने का प्रावधान भी बरकरार रखा गया है। केंद्रीय बैंक के मुताबिक, 2026-27 के लिए कुल मिलाकर 3.30 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त निवेश सीमा निर्धारित की गई है।

रुपया 14 पैसे चढ़कर 93.04 प्रति डॉलर पर

मुंबई: रुपया सोमवार को 14 पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.04 (अस्थायी) पर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक के सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने और रुपये में अस्थिरता को कम करने के लिए उठाए गए कदमों से घरेलू मुद्रा थोड़ी संभली है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी, मजबूत डॉलर और अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति के बीच कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से रुपये पर अब भी दबाव कायम है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.13 पर खुला और कारोबार के दौरान तेजी से चढ़कर 92.79 के उच्च स्तर पर पहुंचा। अंत में रुपया 93.04 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे अधिक है।

भारत ने 2025-26 में 6.05 गीगावाट की नई पवन ऊर्जा क्षमता जोड़ी, बनाया नया रिकॉर्ड

नयी दिल्ली: भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 में पवन ऊर्जा क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी वार्षिक क्षमता वृद्धि दर्ज की है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के बयान के अनुसार, इस दौरान 6.05 गीगावाट की नई क्षमता जोड़ी गई, जिससे देश की कुल स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता 56 गीगावाट से अधिक हो गई। मंत्रालय के मुताबिक, यह उपलब्धि वित्त वर्ष 2016-17 में जोड़ी गई 5.5 गीगावाट क्षमता के पिछले रिकॉर्ड को भी पार कर गई है। मंत्रालय ने बताया कि यह उपलब्धि क्षेत्र में नई गति को दर्शाती है, जो स्पष्ट नीतियों, बेहतर पारेषण व्यवस्था, प्रतिस्पर्धी दर निर्धारण और मजबूत परियोजनाओं के कारण संभव हुई है। बयान में कहा गया कि गुजरात, कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे राज्यों ने इस वर्ष क्षमता वृद्धि में प्रमुख योगदान दिया है।

पूंजीगत व्यय बढ़ाने, संकट से प्रभावित क्षेत्रों को समर्थन देने के लिए वित्तीय गुंजाइश उपलब्धःसीतारमण

नयी दिल्ली: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि राजकोषीय सूझबूझ ने सरकार को पूंजीगत व्यय बढ़ाने और पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित क्षेत्रों को समर्थन देने के लिए पर्याप्त वित्तीय गुंजाइश दी है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक उभरती स्थिति से निपटने के लिए ब्याज दरों में और कटौती कर सकता है। सीतारमण ने चुनौतीपूर्ण समय में अच्छी सार्वजनिक वित्त नीति के महत्व का जिक्र करते हुए कहा कि इससे आर्थिक नरमी के दौर में उससे निपटने, विशेष रूप से विपरीत परिस्थितियों में भी टिके रहने की क्षमता में सुधार होता है। उन्होंने यहां राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) के एक कार्यक्रम में कहा कि आज भारी कर्ज और बड़े घाटे वाले कई देशों के पास कोई विकल्प नहीं बचा है और उन्हें मितव्ययिता और अस्थिरता के बीच एक कठिन विकल्प का सामना करना पड़ रहा है। वित्त मंत्री ने कहा, ''इसके उलट, भारत के पास राजकोषीय संसाधन हैं। पूंजीगत व्यय कार्यक्रम को जारी रखने की गुंजाइश है, आरबीआई के पास ब्याज दरें कम करने की गुंजाइश है और प्रभावित क्षेत्रों को लक्षित सहायता प्रदान करने की क्षमता है। यह एक दशक की राजकोषीय सूझबूझ और अनुशासन का परिणाम है।'' उन्होंने कहा कि राजकोषीय गुंजाइश को देखते हुए ही हाल ही में पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कम किए गए और प्रमुख पेट्रोरसायन उत्पादों पर सीमा शुल्क से छूट दी गयी। एसईजेड (विशेष आर्थिक क्षेत्र) को घरेलू शुल्क क्षेत्र में परिचालन की अनुमति दी गयी।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू, बुधवार को जारी होगा फैसला

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की द्विमासिक मौद्रिक नीति पर विचार करने के लिए तीन दिन चलने वाली बैठक सोमवार को शुरू हुई। यह मौजूदा वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक है। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब पश्चिम एशिया संकट के कारण महंगाई बढ़ने की आशंका के बीच नीतिगत दर को यथावत रखने की संभावना है। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का निर्णय बुधवार को घोषित किया जाएगा। आरबीआई ने फरवरी, 2025 से अब तक नीतिगत दर रेपो में कुल 1.25 प्रतिशत की कटौती की है। यह 2019 के बाद से सबसे बड़ी कटौती है। आरबीआई ने आखिरी बार बीते साल दिसंबर रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की थी। पिछली बैठक फरवरी में यथास्थिति बनाए रखी गयी थी। विशेषज्ञों के अनुसार, एमपीसी के सदस्य पश्चिम एशिया में जारी तनाव, जिंस कीमतों में अस्थिरता और घरेलू मुद्रा के मूल्य में उतार-चढ़ाव को ध्यान में रखेंगे। उन्होंने कहा कि खुदरा मुद्रास्फीति आरबीआई के चार प्रतिशत के मध्यम अवधि के लक्ष्य के करीब पहुंच गई है, लेकिन वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में हाल में आई तेजी ने घरेलू कीमतों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। एक अनुमान के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल 10 डॉलर की वृद्धि से मुद्रास्फीति 0.60 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है।

अब 300 करोड़ रुपये की लागत वाली राजमार्ग परियोजनाओं को 12 माह में पूरा करना होगा

नयी दिल्ली : सरकार ने 300 करोड़ रुपये तक की लागत वाली राजमार्ग परियोजनाओं के लिए 12 महीने और 301 से 500 करोड़ रुपये की लागत वाली सड़क निर्माण परियोजनाओं के लिए 18 महीने की मूल निर्माण अवधि निर्धारित की है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने सोमवार को कहा कि मैदानी और ऊबड़-खाबड़ वाले इलाकों में बनने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की निर्माण अवधि अब उनकी कुल सिविल लागत के आधार पर तय की जाएगी। मंत्रालय के अनुसार, पुराने नियमों में बदलाव की जरूरत महसूस हुई थी, इसलिए वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर नए दिशा-निर्देश तैयार किए गए हैं। इसी प्रकार, 501 से 1,500 करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं के लिए 24 महीने की अवधि तय की गई है। हालांकि, यदि परियोजना जटिल है जैसे कई रेलवे ओवरब्रिज, लंबी एलिवेटेड सड़क या सुरंग शामिल हो तो समय-सीमा बढ़ाई जा सकती है।

कच्चे तेल के दाम में नरमी से सेंसेक्स 787 अंक चढ़ा, निफ्टी 255 अंक मजबूत

मुंबई: स्थानीय शेयर बाजार सोमवार को शुरुआती गिरावट से उबरते हुए लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बढ़त में रहे। बीएसई सेंसेक्स 787 अंक चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 23,000 अंक के करीब पहुंच गया। पश्चिम एशिया में युद्धविराम के प्रयासों की रिपोर्ट के बीच कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से बाजार बढ़त में रहा। कारोबारियों के अनुसार, बैंक और आईटी शेयरों में अच्छी लिवाली और रुपये में मजबूती से भी निवेशकों की धारणा को समर्थन मिला। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 787.30 अंक यानी 1.07 प्रतिशत बढ़कर 74,106.85 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 887.91 अंक चढ़कर 74,207.46 अंक पर पहुंच गया था। बीएसई में सूचीबद्ध शेयरों में से 3,207 लाभ में रहे, जबकि 1,147 में गिरावट दर्ज की गयी। वहीं 190 के भाव अपरिवर्तित रहें। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 255.15 अंक यानी 1.12 प्रतिशत बढ़कर 22,968.25 अंक पर बंद हुआ। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, 'पश्चिम एशिया में संभावित युद्धविराम की खबरों के कारण कच्चे तेल की कीमतों में सुधार के साथ वैश्विक जोखिम धारणा में भी सुधार हुआ।'' सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से ट्रेंट में सबसे अधिक 7.89 प्रतिशत की तेजी रही। इसके अलावा एक्सिस बैंक, टाइटन, लार्सन एंड टुब्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज फाइनेंस भी प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एच-सीएल टेक और सन फार्मा के शेयर नुकसान में रहें।

समाज्ञा स्पोर्ट्स

राजस्थान के आक्रामक खेल से सतर्क रहना होगा मुंबई को, हार्दिक की फिटनेस पर होगी निगाह

गुवाहाटी: इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले में मंगलवार को मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स आमने-सामने होंगे, जहां मुंबई की टीम को राजस्थान के आक्रामक खेल से सतर्क रहना होगा। पिछले मैच में हार के बाद मुंबई वापसी के इरादे से उतरेगी, वहीं कप्तान हार्दिक पंड्या की फिटनेस भी टीम के लिए अहम मुद्दा बनी हुई है।दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मुकाबले में हार्दिक अस्वस्थता के कारण नहीं खेल पाए थे, जिसका असर टीम के प्रदर्शन पर साफ दिखा। उनकी गैरमौजूदगी में सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी संभाली, लेकिन टीम को हार्दिक के हरफनमौला योगदान की कमी खली। अब हार्दिक ने अभ्यास शुरू कर दिया है, जिससे उनके इस मैच में वापसी की उम्मीद बढ़ गई है।मुंबई के गेंदबाजी आक्रमण को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। जसप्रीत बुमराह अब तक किफायती रहे हैं, लेकिन उन्हें विकेट हासिल करने की जरूरत है। वहीं शार्दुल ठाकुर पिछले मैच में महंगे साबित हुए थे। टीम संयोजन में बदलाव के तहत दीपक चाहर को मौका दिया गया, जिन्होंने ठीक-ठाक प्रदर्शन किया, लेकिन अन्य गेंदबाजों को भी जिम्मेदारी निभानी होगी।दूसरी ओर राजस्थान रॉयल्स की टीम शानदार फॉर्म में है और उसका शीर्ष क्रम बेहद आक्रामक नजर आ रहा है। यशस्वी जायसवाल और युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने टीम को तेज शुरुआत दी है, जबकि ध्रुव जुरेल ने मध्यक्रम में मजबूती प्रदान की है। हालांकि कप्तान रियान पराग का बल्ला अभी तक खामोश रहा है, लेकिन उनकी कप्तानी की रणनीति टीम के लिए फायदेमंद साबित हुई है।गेंदबाजी में रवि बिश्नोई और तुषार देशपांडे ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। बिश्नोई ने दो मैचों में पांच विकेट लेकर विपक्षी टीमों को परेशान किया है, जबकि देशपांडे ने डेथ ओवरों में अपनी काबिलियत दिखाई है।अंक तालिका में राजस्थान दूसरे स्थान पर काबिज है, जबकि मुंबई छठे स्थान पर है। ऐसे में यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा, जहां मुंबई जीत के साथ वापसी करना चाहेगी, जबकि राजस्थान अपनी लय बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी।

पडिक्कल इसी तरह बल्लेबाजी करते रहे तो उन्हें भारतीय टीम से बाहर रखना मुश्किल होगा: कार्तिक

नयी दिल्ली: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मेंटर (मार्गदर्शक) दिनेश कार्तिक का मानना है कि देवदत्त पडिक्कल घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद जिस तरह आईपीएल में बल्लेबाजी कर रहे हैं उसे देखते हुए उन्हें लंबे समय तक भारतीय टीम से बाहर रखना मुश्किल होगा। रविवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ बेंगलुरु की बड़ी जीत में पडिक्कल ने अहम भूमिका निभाते हुए 29 गेंद में 50 रन बनाए। चिन्नास्वामी स्टेडियम में पडिक्कल की संयमित पारी के बारे में पूछे जाने पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाजी कोच की भी भूमिका निभाने वाले कार्तिक ने शुरुआत के मुश्किल दौर में उनके संयम की तारीफ की जिसके बाद इस बल्लेबाज खुलकर खेलना शुरू किया। कार्तिक ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ''सबसे महत्वपूर्ण बात है उनका पक्का इरादा। ऐसी पिच पर जब शुरुआत में रन आसानी से नहीं बनते तो कई बल्लेबाज बड़ा शॉट खेलने की कोशिश करते हैं और अपना विकेट गंवा बैठते हैं। जब हालात मुश्किल थे तब भी देवदत्त ने धैर्य बनाए रखने का साहस दिखाया।'' उन्होंने कहा, ''आप देख सकते हैं कि जैसे ही उन्हेंने पहली बाउंड्री लगाई तो फिर अपनी बल्लेबाजी का गियर बदल दिया। वह एकदम सही क्रिकेट शॉट खेल रहे हैं और गेंद को काफी दूर तक मार रहे हैं। अगर वह इसी तरह बल्लेबाजी करते रहे तो उन्हें लंबे समय तक भारतीय टीम से बाहर रखना मुश्किल होगा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में खूब रन बनाए हैं और हम जानते हैं कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं।'

सैमसन, बुमराह को आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का नामांकन

दुबई: भारत के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को सोमवार को आईसीसी मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का नामांकन मिला है। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज कोनोर एस्टरहुइजेन को भी न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद नामांकित किया गया है। वहीं टी20 विश्व कप के आखिरी कुछ मैचों में शानदार प्रदर्शन करके 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' रहे संजू को बुमराह के साथ नामांकन में जगह मिली है। बुमराह फाइनल मैच में प्लेयर आफ द मैच थे। सैमसन शुरूआती मैचों से बाहर रहे लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल की तरह रहे मैच में नाबाद 97 रन बनाये और इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई में सेमीफाइनल के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 89 रन की पारी खेली। बुमराह ने फाइनल में चार ओवर में 15 रन देकर चार विकेट लिये थे।

कोलकाता-पंजाब मैच बारिश में धुला

कोलकाता: आईपीएल 2026 का 12वां मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स के बीच बारिश की भेंट चढ़ गया। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। केकेआर की पारी के अभी महज 3.4 ओवर ही फेंके गए थे कि मूसलाधार बारिश शुरू हो गई और मैच को रद्द घोषित करना पड़ा। इस परिणाम के बाद दोनों टीमों को 1-1 अंक से संतोष करना पड़ा है। मैच के रद्द होने से सबसे बड़ा फायदा पंजाब किंग्स को मिला है। पंजाब की टीम अब 3 मैचों में दो जीत और एक ड्रॉ (रद्द मैच) के साथ 5 अंकों पर पहुंच गई है और अंक तालिका में नंबर 1 स्थान पर काबिज हो गई है। टॉस हारकर पहले गेंदबाजी करने उतरी पंजाब के लिए जेवियर बार्टलेट ने शानदार शुरुआत की थी जिन्होंने दूसरे ही ओवर में केकेआर के दो बड़े विकेट झटक लिए थे। अगर मैच पूरा होता तो पंजाब के पास जीत दर्ज कर पूरे 2 अंक लेने का सुनहरा मौका था लेकिन फिर भी 1 अंक उन्हें टेबल टॉपर बनाने के लिए काफी रहा। दूसरी ओर, कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए यह अंक किसी संजीवनी से कम नहीं है। केकेआर अपने शुरुआती दोनों मैच हार चुकी थी और अंक तालिका में नौवें पायदान पर थी। इस मैच के रद्द होने से उन्हें सीजन का अपना पहला अंक मिला है जिसकी बदौलत वे अब गुजरात टाइटंस से ऊपर 8वें स्थान पर आ गए हैं। हालांकि, कप्तान रहाणे के लिए चिंता की बात यह है कि उनके टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज एक बार फिर फेल रहे और खेल रुकने तक टीम 25 रनों पर ही अपने 2 महत्वपूर्ण विकेट गंवा चुकी थी।

जर्जर इमारतों का उपयोग हो प्रतिबंधित, ठीक नहीं होने वाले ढांचे गिरायें : खेल मंत्रालय का निर्देश

नयी दिल्ली: खेल के मैदानों और खेल सुविधाओं पर 'टाले जा सकने वाले हादसों' को रोकने के प्रयास में खेल मंत्रालय ने सभी प्रदेश सरकारों को परामर्श जारी करके उनसे खस्ताहाल और अस्थिर ढांचों के इस्तेमाल को सीमित करने और जरूरत पड़ने पर ठीक नहीं हो सकने वाले ढांचों को गिराने के लिये कहा है। हरियाणा के रोहतक में कुछ महीने पहले खंभा गिरने से राष्ट्रीय स्तर के एक 16 वर्ष के बास्केटबॉल खिलाड़ी की मौत के बाद यह परामर्श तैयार किया गया। सोमवार को एक 20 वर्ष के मरीन इंजीनियरिंग छात्र की मौत हो गई जब कॉलेज परिसर में बास्केटबॉल हूप उस पर गिर गया। परामर्श में कहा गया ,' राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों को सलाह दी जाती है कि वे सरकार/यूएलबी /पंचायत/ पीएसयू /स्वायत्त निकायों/शैक्षणिक संस्थानों के अंतर्गत आने वाले खेल के मैदानों और खेल सुविधाओं की सुरक्षा समीक्षा करें जिनमें स्टेडियम, इनडोर हॉल, अभ्यास के मैदान, ओपन जिम, स्विमिंग पूल और सभी सहायक ढांचे शामिल हैं।' इसमें कहा गया ,'इस समीक्षा में विशेष रूप से ढांचागत स्थिति, चारदीवारी/रेलिंग, गेट, दर्शक दीर्घा, प्रकाश स्तंभ/टॉवर, स्कोरबोर्ड, फर्श/सतह, जल निकासी/मैनहोल और किसी भी अस्थायी ढांचे को शामिल किया जा सकता है।'

वर्ष 11, पूर्णांक 3555 अंक 021 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in